एपीडा
APEDA

वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट 2021–22

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद
निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा)
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)

वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट 2021-22

एपीडा
APEDA

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा)
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)

विषय

1.	**एपीडा के बारे में**	3
	1.1 संगठन संरचना	3
	1.2 निर्दिष्ट कार्य	4
	1.3 एपीडा द्वारा मॉनिटर किए गए उत्पाद	4
	1.4 एपीडा प्राधिकरण की संरचना	5
	1.5 प्रशासनिक संरचना	6
2.	**एपीडा का निर्यात परिदृश्य (2021-2022)**	7
	2.1 कृषि निर्यात में एपीडा की हिस्सेदारी	7
	2.2 प्रमुख 15 बाजारों में एपीडा निर्यातों की हिस्सेदारी	8
	2.3 एपीडा के प्रमुख उत्पाद और प्रमुख बाजार	9
	2.4 एपीडा का निर्यात निष्पादन	12
3.	**प्राधिकरण बैठकें और सांविधिक कार्य**	14
4.	**निर्यातकों का पंजीकरण**	15
	4.1 पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी)	15
	4.2 पंजीकरण-सह- आबंटन प्रमाणपत्र (आरसीएसी)	15
	4.2.1 बासमती चावल के निर्यात के लिए जारी आरसीएसी	15
	4.2.2 मूंगफली और मूंगफली उत्पादों के लिए जारी निर्यात प्रमाणपत्र (सीओई)	15
5.	**एपीडा में राजभाषा का कार्यान्वयन**	16
6.	**एपीडा की कृषि निर्यात संवर्धन योजना**	18
	6.1 बाजार विकास	18
	6.2 अवसंरचना विकास	18
	6.3 गुणवत्ता विकास	18
7.	**एपीडा की ई-गवर्नेंस पहल**	20
8.	**बागवानी क्षेत्र (ताजे फल और सब्जियां और पुष्पकृषि)**	23
9.	**प्रसंस्कृत एवं अन्य प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र**	25
10.	**पशुधन क्षेत्र**	26
11.	**अनाज क्षेत्र**	28
12.	**जैविक क्षेत्र**	30
13.	**जैविक और जीआई उत्पाद निर्यात संवर्धन**	32
14.	**गुणवत्ता विकास**	35

15. अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक 37
15.1 अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक 37

16. एपीडा क्षेत्रीय कार्यालयों की गतिविधियां 38
16.1 अहमदाबाद 38
16.2 बेंगलुरु 39
16.3 भोपाल 40
16.4 चंडीगढ़ 42
16.5 चेन्नई 44
16.6 गुवाहाटी 46
16.7 हैदराबाद 49
16.8 जम्मू, श्रीनगर और लद्दाख 50
16.9 कोच्चि 51
16.10 कोलकाता 54
16.11 मुंबई 57
16.12 वाराणसी 60

17. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयन 63

18. कृषि निर्यात नीति का कार्यान्वयन 64

1 एपीडा के बारे में

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की स्थापना भारत सरकार द्वारा दिसंबर 1985 में संसद द्वारा पारित कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम के अन्तर्गत की गई थी। यह अधिनियम (1986 का 2) 13 फरवरी, 1986 से भारत के राजपत्र में जारी एक अधिसूचना विशेषत: भाग-2 (धारा 3 (2) 13.2.1986 के द्वारा लागू हुआ था। इस प्राधिकारण ने प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन परिषद (पीएफईपीसी) को प्रतिस्थापित किया था।

एपीडा अधिनियम के अध्याय V की धारा 21(2) के संदर्भ में विगत वित्त वर्षों के दौरान अपनी गतिविधियों, नीति और कार्यक्रमों का सही और पूर्ण लेखों का विवरण प्रस्तुत करने वाली प्राधिकरण की वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जानी आवश्यक है जिससे इसे संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

यह वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की 36वीं वार्षिक रिपोर्ट है।

1.1 संगठन संरचना

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण का मुख्यालय नई दिल्ली में है और एपीडा के कार्यपालक, एपीडा अध्यक्ष है।

एपीडा के निम्न 14 क्षेत्रीय कार्यालय हैं:

1. अहमदाबाद
2. बेंगलुरु
3. भोपाल
4. चंडीगढ़
5. चेन्नई
6. गुवाहाटी
7. हैदराबाद
8. जम्मू
9. कोच्चि
10. कोलकाता
11. लद्दाख
12. मुंबई
13. श्रीनगर
14. वाराणसी

1.2 निर्दिष्ट कार्य

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) अधिनियम, 1985 (1986 का 2) के प्रावधानों के अनुसार एपीडा को निम्नलिखित कार्य सौंपे गए हैं।

- वित्तीय सहायता प्रदान करके या अन्य सर्वेक्षण करने के माध्यम से निर्यात के लिए अनुसूचित उत्पादों से संबंधित उद्योगों का विकास और व्यवहार्यता अध्ययन, संयुक्त उद्यमों और अन्य राहत और सब्सिडी योजनाओं के माध्यम से इक्विटी पूंजी में भागीदारी।
- निर्धारित शुल्क के भुगतान पर अनुसूचित उत्पादों के निर्यातक के रूप में व्यक्तियों का पंजीकरण।
- निर्यात के उद्देश्य के अनुसूचित उत्पादों के लिए मानकों और विशिष्टताओं का निर्धारण करना।
- स्लाउटर हाउसों (बूचड़खानों) प्रसंस्करण प्लाट, भंडारण परिसरों, संप्रेषणों या अन्य स्थानों पर मांस और मांस उत्पादों का निरीक्षण करना जहां ऐसे उत्पाद रखें जाते हैं या ऐसे उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चत की जाती है।
- अनुसूचित उत्पादों की पैकेजिंग में सुधार।
- भारत के बाहर अनुसूचित उत्पादों के विपणन में सुधार।
- निर्यातोन्मुख उत्पादन का विकास और अनुसूचित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना।
- अनुसूचित उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण पैकेजिंग, मार्केटिंग या निर्यात में लगे कारखानों या संस्थानों के मालिकों या अन्य उसे व्यक्तियों को जिन्हें अनुसूचित उत्पादों के संबन्ध में किसी भी मामले में निर्धारित किया जा सकता है, से आंकड़ों का संग्रक करना और इन आंकड़ों का या इनके किन्ही अंशों एवं उनके उद्धरणों को प्रकाशित करना।
- अनुसूचित उत्पादों से जुड़े उद्योगों के विभिन्न पक्षों में प्रशिक्षण।
- यथा निर्धारित अन्य ऐसे मामले।

1.3 एपीडा द्वारा मॉनिटर किए गए उत्पाद

एपीडा को निर्यात संवर्धन तथा विकास का उत्तरदायित्व भी सौंपा गया। एपीडा अधिनियम की प्रथम अनुसूची में अधिसूचित उत्पाद निम्नलिखित है।

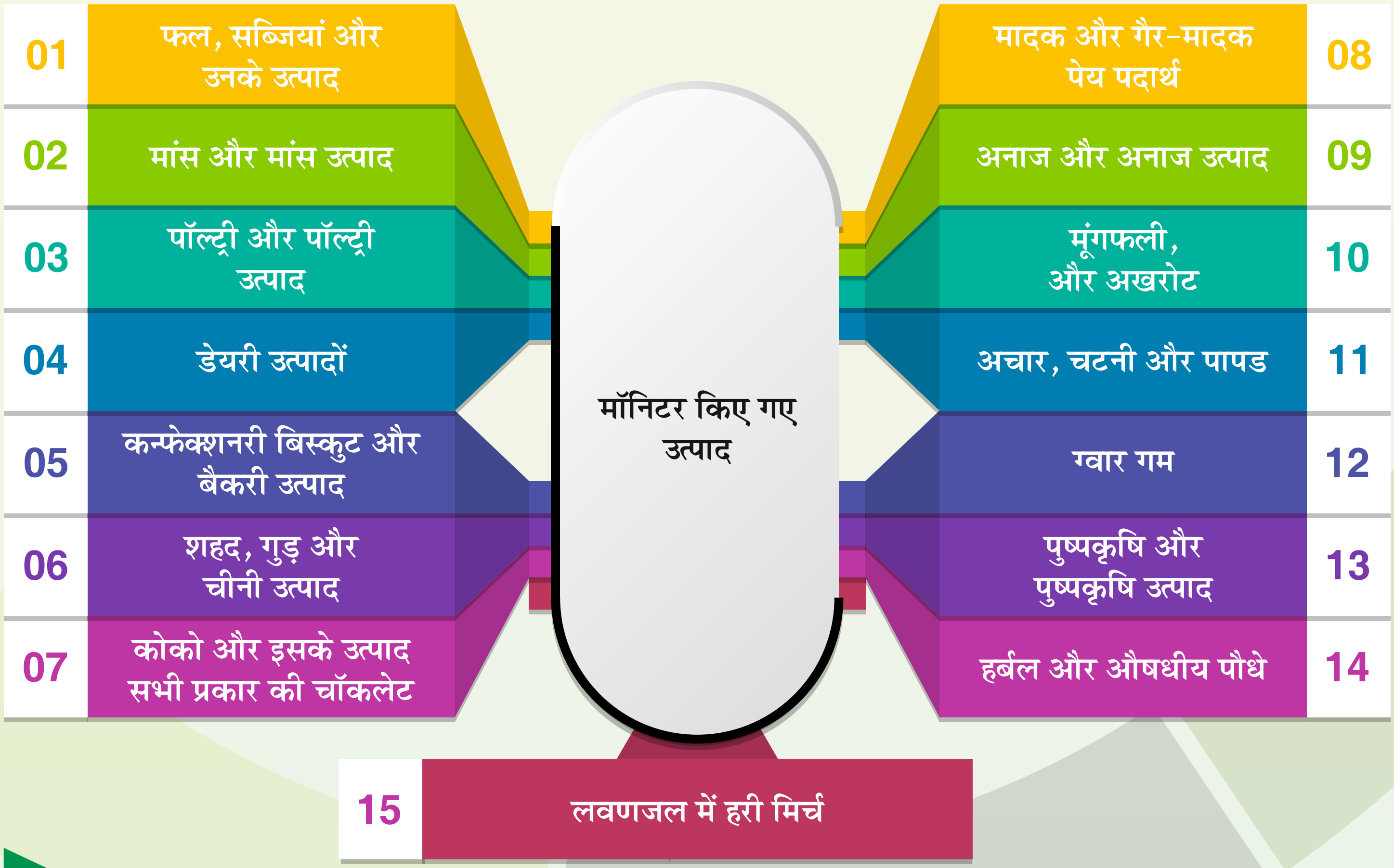

एपीडा अधिनियम की दूसरी अनुसूची में बासमती चावल को भी शामिल किया गया है।

इसके अलावा, एपीडा को चीनी के आयात की निगरानी की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एपीडा जैविक निर्यात के लिए राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के अन्तर्गत प्रमाणन निकायों की मान्यता के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबी) के सचिवालय के रूप में भी कार्य करता है। निर्यात के लिए ''जैविक उत्पाद'' को केवल तभी प्रमाणित किया जाता है जब उन्हें दस्तावेज़'' – ''जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीओपी) में निर्धारित मानकों के अनुसार उत्पादित, संसाधित और पैक किया जाता है।

1.4 एपीडा प्राधिकरण की संरचना

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1985 की धारा 4 की उप धारा 4 के अनुसार, प्राधिकरण में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे:

- केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक अध्यक्ष।
- भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार, पदेन।
- नीति आयोग का प्रतिनिधि रूप में केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त सदस्य।
- दो लोकसभा द्वारा निवार्चित और एक राज्य सभा द्वारा निवार्चित संसद के तीन सदस्य।
- केंद्रीय सरकार से क्रमशः द्वारा आठ सदस्यों को नियुक्त किया जाता है, केंद्र सरकार से संबंधित।
  - (i) कृषि और ग्रामीण विकास।
  - (ii) वाणिज्य।
  - (iii) वित्त।
  - (iv) उद्योग।
  - (v) खाद्य।
  - (vi) नागरिक आपूर्ति।
  - (vii) नागरिक विमानन।
  - (viii) शिपिंग एवं परिवहन।

- राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के प्रतिनिधित्व के रूप में वर्णक्रम के अनुसार चक्रानुक्रम से 5 सदस्यों को केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त परन्तु इस खंड के तहत एक नियुक्ति संबंधित केन्द्र शासित प्रदेश, जैसे भी मामला हो राज्य सरकार की सिफारिश पर की जाती है।

- प्रतिनिधि के रूप में केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त 7 सदस्य :–
  - (i) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
  - (ii) राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड
  - (iii) राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ
  - (iv) केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान
  - (v) भारतीय पैकेजिंग संस्थान
  - (vi) स्पाइसेस एक्सपोर्ट प्रमोशन कांउसिल और
  - (vii) काजू निर्यात संवर्धन परिषद

- केंद्र सरकार के प्रतिनिधि द्वारा नियुक्त 12 सदस्य

(i) फल और सब्जी उत्पाद उद्योग

(ii) मांस, कुक्कुट और डेयरी उत्पाद उद्योग

(iii) अन्य अनुसूचित उत्पाद उद्योग
(iv) पैकेजिंग उद्योग

- परन्तु उप खण्ड (i) से (iii)या उप खण्ड (iv) में निर्दिष्ट उद्योग के किसी भी समूह का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त सदस्यों की संख्या किसी भी स्थिति में दो से कम नहीं होगी।
- अनुसूचित उत्पादों की कृषि, अर्थशास्त्र तथा विपणन के क्षेत्र में विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों में से केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त दो सदस्य।

1.5 प्रशासनिक संरचना

अध्यक्ष	.	केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त
निर्देशक	.	एपीडा द्वारा नियुक्त
सचिव	.	केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त
अन्य अधिकारी और कर्मचारी	.	प्राधिकरण द्वारा नियुक्त

एपीडा अधिनियम की धारा 7 (3) में प्रावधान है कि प्राधिकरण अपने कार्यों के कुशल निष्पादन के लिए आवश्यक अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकता है।

कुल स्वीकृत कर्मचारियों की संख्या क,ख और ग की विभिन्न श्रेणियों में 124 (अध्यक्ष सहित) है।

प्राधिकरण के अध्यक्ष

डॉ. एम. अंगमुथु ने 2021-22 के दौरान अध्यक्ष, एपीडा का पदभार संभाला।

निदेशक

डॉ. तरुण बजाज ने 2021-22 के दौरान निदेशक, एपीडा का पदभार संभाला।

प्राधिकरण के अधिकारी और कर्मचारी

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कुल स्वीकृत कर्मचारियों की संख्या 124 (अध्यक्ष सहित) की तुलना में संगठन में कर्मचारियों की कुल संख्या 80 थी। एपीडा प्राधिकरण के कर्मचारियों का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार है

सरकार में श्रेणी क के समकक्ष पद (अध्यक्ष सहित)	22
सरकार में श्रेणी ख के समकक्ष पद	29
सरकार में श्रेणी ग के समकक्ष पद	29

प्राधिकरण द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और महिला कर्मचारियों के कल्याण और विकास की पर्याप्त देखभाल की जाती है।

वर्तमान में एपीडा में वर्ग क,ख, और ग श्रेणियों में कुल 24 महिला कर्मचारी हैं।
एपीडा ने कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायत प्राप्त करने के लिए एक समिति का गठन किया है जिसकी अध्यक्षता उप महाप्रबंधक स्तर की एक महिला अधिकारी कर रही हैं। महिला कर्मचारियों के कल्याण की भी अच्छी तरह से देखभाल की जाती है और किसी भी महिला कर्मचारी की ओर से उत्पीड़न या उनके कल्याण से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त हुई है।
सरकारी मानदंडों के अनुसार, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण सभी श्रेणियों में कुल संख्या का 4% है। मौजूदा कर्मचारियों की संख्या 80 में से दो पदधारी शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं। एपीडा ने दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण का ध्यान रखा है। एपीडा ने एक कर्मचारी को कार्यालय के भीतर आने-जाने के लिए मोटराइज्ड व्हील चेयर प्रदान की है। साथ ही उन्हें नियमानुसार सभी सुविधाएं दी जाती हैं। अभी तक उनकी ओर से कोई शिकायत प्राप्त नही हुई है।

2 एपीडा का निर्यात परिदृश्य

2.1 एपीडा का कृषि निर्यात में हिस्सा (अप्रैल 2021–मार्च 2022)

कुल पण्य निर्यात	422.00 बीएन
कृषि उत्पादों का निर्यात (कपास सहित)	49.62 बीएन
कुल पण्य निर्यात में कृषि उत्पादों का हिस्सा (%)	11.76 %
एपीडा द्वारा निगरानी किए गए उत्पादों का निर्यात	24.57 बीएन
कुल कृषि निर्यात में एपीडा उत्पादों का हिस्सा (%)	49.51%
स्रोत: डीजीसीआईएस	

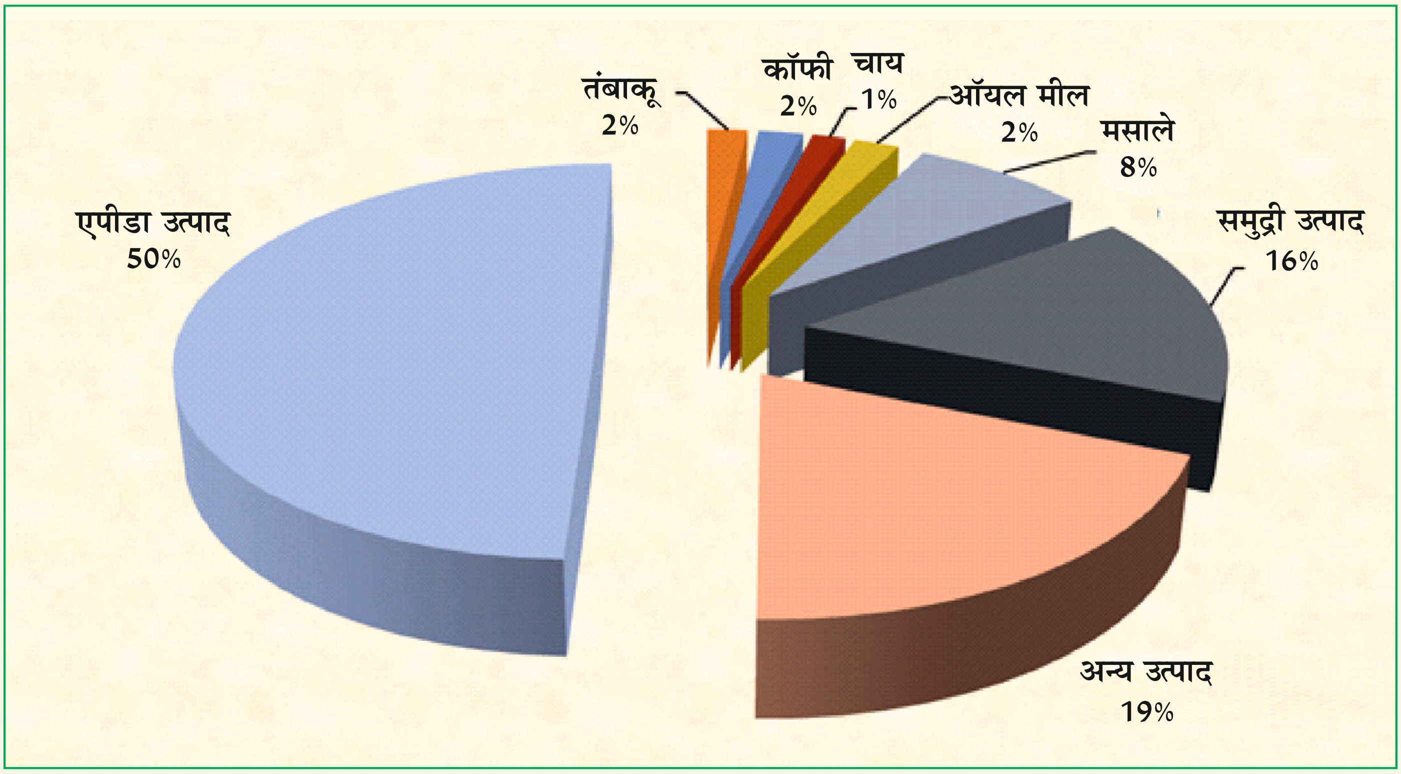

2.2 प्रमुख 15 बाजारों में एपीडा निर्यात का हिस्सा

देश का नाम	2021-22 यूएस डॉलर मिलियन	प्रतिशत शेयर
बांग्लादेश	2884.98	11.74
संयुक्त अरब अमीरात	1616.88	6.58
संयुक्त राज्य अमेरीका	1238.06	5.04
वियतनाम	1221.13	4.97
सऊदी अरब	1118.95	4.55
नेपाल	1083.44	4.41
मलेशिया	1037.86	4.22
ईरान	962.54	3.92
इंडोनेशिया	963.55	3.92
मिस्र गणराज्य	814.98	3.32
ईराक	728.89	2.97
चीन	618.27	2.52
बेनिन	547.49	2.23
श्रीलंका	497.72	2.03
नीदरलैंड	430.48	1.75
कुल प्रमुख 15	**15765.22**	**64.17**
अन्य देश	8,802.25	35.83
कुल राशि	**24,567.47**	**100.00**
स्रोत: डीजीसीआईएस		

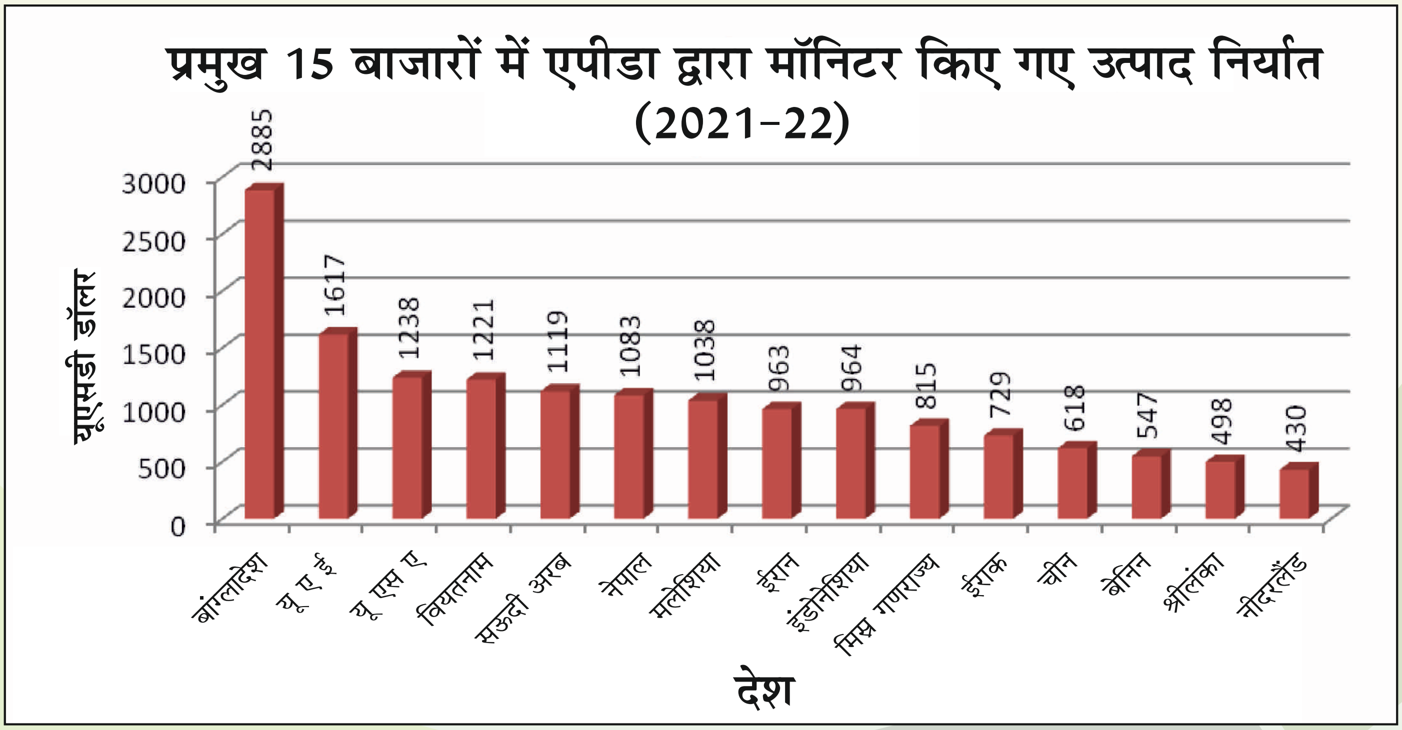

2.3 एपीडा के प्रमुख उत्पाद और प्रमुख बाजार

पुष्पकृषि				
यू एस ए (28.82 %)	नीदरलैंड (19.07 %)	जर्मनी (6.57 %)	यू के (5.14 %)	यू ए ई (4.74 %)
फल और सब्जियां बीज				
नीदरलैंड (16.33 %)	यू एस ए (16.08 %)	बांग्लादेश (11.23 %)	थाईलौंड (4.91 %)	यू ए ई (4.29 %)
ताजा प्याज				
बांग्लादेश (37.91 %)	मलेशिया (14.30 %)	श्रीलंका डीएसआर (11.99 %)	नेपाल (8.14 %)	यू ए ई (8.13 %)
अन्य ताजी सब्जियां				
नेपाल (20.38 %)	यू ए ई (19.53 %)	यू के (8.93 %)	बांग्लादेश (7.46 %)	कतर (7.36 %)
अखरोट				
यू ए ई (27.93 %)	फ्रांस (17.39 %)	यू के (13.96 %)	जिबूती (9.49 %)	जर्मनी (8.37 %)
ताजा आम				
यू ए ई (44.20 %)	यू के (22.41 %)	कतर (7.12 %)	ओमान (5.80 %)	कुवैत (5.34 %)
ताजा अंगूर				
नीदरलैंड (38.13 %)	बांग्लादेश (15.36 %)	रूस (9.71 %)	यू के (7.14 %)	यू ए ई (6.71 %)
अन्य ताजे फल				
बांग्लादेश (25.71 %)	यू ए ई (17.37 %)	ईरान (14.10 %)	नेपाल (10.45 %)	ईराक (5.28 %)
अन्य (पान के पत्ते और नट्स)				
मालदीव (15.67 %)	यू ए ई (12.75 %)	बांग्लादेश (10.49 %)	भूटान (10.35 %)	थाईलौंड (10.25 %)
ककड़ी और खीरा (तैयारी तथा प्रसंस्कृत)				
यू एस ए (27.17 %)	रूस (9.13 %)	कनाडा (8.85 %)	फ्रांस (6.27 %)	स्पेन (5.93 %)
प्रसंस्कृत सब्जियां				
यू एस ए (18.09 %)	यू के (9.86 %)	जर्मनी (6.12 %)	थाईलौंड (5.22 %)	नेपाल (4.70 %)
आम की लुग्दी				
सऊदी अरब (15.33 %)	नीदरलैंड (12.43 %)	यमन गणराज्य (8.98 %)	यू एस ए (7.05 %)	यू के (5.66 %)
प्रसंस्कृत फल, जूस और नट्स				
नीदरलैंड (13.11 %)	यू एस ए (12.83 %)	सऊदी अरब (8.72 %)	यू ए ई (8.70 %)	यू के (3.66 %)
दाल				
यू ए ई (27.82 %)	चीन (23.42 %)	यू ए एस (11.36 %)	नेपाल (6.50 %)	कनाडा (3.40 %)

भैंस का मांस				
मिस्र गणराज्य (22.38 %)	वियतनाम (14.78 %)	मलेशिया (13.48 %)	इन्डोनेशिया (9.30 %)	ईराक (6.75 %)
भेड़/बकरी का मांस				
यू ए ई (75.34 %)	कतर (10.05 %)	कुवैत (6.67 %)	मालदीव (2.74 %)	ओमान (1.98 %)
अन्य मांस				
भूटान (99.52 %)	श्रीलंका (0.45 %)	यू एस ए (0.03 %)	बहरीन (0.00 %)	यू ए ई (0.00 %)
प्रसंस्कृत मांस				
हांग कांग (33.49 %)	भूटान (27.42 %)	कतर (12.05 %)	वियतनाम (9.28 %)	कुवैत (8.63 %)
पशु केसिंग				
वियतनाम (51.63 %)	हांग कांग (37.09 %)	मलेशिया (7.11 %)	कंबोडिया (1.52 %)	दक्षिण अफ्रीका (0.62 %)
पॉल्ट्री उत्पाद				
ओमान (27.92 %)	मालदीव (13.76 %)	इंडोनेशिया (11.69 %)	वियतनाम (7.76 %)	भूटान (7.53 %)
डेयरी उत्पाद				
बांग्लादेश (23.37 %)	यू ए ई (14.98 %)	बहरीन (7.34 %)	मलेशिया (6.46 %)	सऊदी अरब (6.34 %)
प्राकृतिक शहद				
यू एस ए (82.62 %)	यू ए ई (4.39 %)	सऊदी अरब (3.04 %)	नेपाल (1.48 %)	मोरक्को (1.07 %)
कैसिइन				
यू एस ए (44.24 %)	जर्मनी (13.33 %)	पोलैंड (9.86 %)	इंडोनेशिया (7.62 %)	सऊदी अरब (7.41 %)
एल्बुमिन (अंडे और दूध)				
वियतनाम (53.53 %)	जापान (14.86 %)	इंडोनेशिया (9.95 %)	ताइवान (5.64 %)	थाईलैंड (4.97 %)
मूंगफली				
इंडोनेशिया (50.96 %)	वियतनाम (10.82 %)	फिलीपीस (9.22 %)	मलेशिया (8.77 %)	यू ए ई (3.52 %)
ग्वार गम				
यू एस ए (26.66 %)	रूस (13.63 %)	जर्मनी (10.08 %)	नॉर्वे (9.71 %)	चीन (5.22 %)
गुड़ और कन्फेक्शनरी				
इंडोनेशिया (8.57 %)	तंजानिया (8.44 %)	नाइजीरिया (5.93 %)	यू ए ई (5.59 %)	नेपाल (5.33 %)
कोको उत्पाद				
यू एस ए (14.37 %)	इंडोनेशिया (9.78 %)	तुर्की (8.54 %)	ब्राजील (7.43 %)	नेपाल (7.42 %)

अनाज से तैयार उत्पाद				
यू एस ए (17.31 %)	नेपाल (9.57 %)	बांग्लादेश (7.56 %)	यू ए ई (6.10 %)	यू के (5.64 %)
मिल्ड उत्पाद				
यू एस ए (18.66 %)	यू ए ई (15.33 %)	सोमालिया (9.29 %)	जिबूती (9.07 %)	श्रीलंका (5.52 %)
मादक पेय				
यू ए ई (27.54 %)	सिंगापुर (8.10 %)	यू एस ए (6.83 %)	घाना (6.18 %)	हैती (5.82 %)
विविध तैयारी				
यू एस ए (15.62 %)	यू ए ई (14.42 %)	मलेशिया (9.56 %)	इंडोनेशिया (5.69 %)	नेपाल (5.13 %)
बासमती चावल				
ईरान (23.13 %)	सऊदी अरब (18.26 %)	ईराक (11.30 %)	यू ए ई (6.24 %)	यमन गणराज्य (5.20 %)
गैर बासमती चावल				
बांग्लादेश (9.95 %)	बेनिन (8.68 %)	चीन (8.13 %)	नेपाल (7.48 %)	कोटे डी आइवर (5.26 %)
गेहूँ				
बांग्लादेश (56.15 %)	श्रीलंका (8.13 %)	यू ए ई (6.45 %)	यमन गणराज्य (5.22 %)	फिलीपीस (5.17 %)
मक्का				
बांग्लादेश (42.37 %)	वियतनाम (30.33 %)	नेपाल (14.97 %)	मलेशिया (6.86 %)	म्यामार (1.60 %)
अन्य अनाज				
यू ए ई (17.71 %)	सऊदी अरब (10.21 %)	नेपाल (9.37 %)	यू एस ए (6.94 %)	जापान (4.49 %)
काजू कर्नेल				
यू ए ई (29.06 %)	जापान (12.77 %)	नीदरलैंड (9.07 %)	सऊदी अरब (8.50 %)	वियतनाम (6.27 %)
काजू खोल तरल				
इटली (26.42 %)	कोरिया (21.49 %)	जापान (20.74 %)	बेलजियम (17.19 %)	चीन (5.68 %)
कार्डानोल				
कोरिया (29.13 %)	बेलजियम (19.55 %)	यू एस ए (10.02 %)	रूस (8.60 %)	स्पेन (7.55 %)

स्रोतः डीजीसीआईएस वार्षिक डेटा

2.4 एपीडा का निर्यात निष्पादन (अप्रैल 2021 – मार्च 2022)

उत्पाद	2019-20		2020-21		2021-22		2020-21 से 2021-22 में % वृद्धि	
	₹ करोड़	यूएस $ मिल	₹ करोड़	यूएस $ मिल	₹ करोड़	यूएस $ मिल	₹ करोड़	यूएस $ मिल
गैर बासमती चावल	14364.66	2014.6	35476.61	4799.91	45652.35	6124.27	28.68	27.59
बासमती चावल	31025.88	4330.69	29849.89	4018.71	26416.54	3540.4	-11.50	-11.90
भैंस का मांस	22668.47	3175.09	23460.38	3171.19	24613.24	3303.34	4.91	4.17
गेहूँ	439.14	61.84	4037.6	549.7	15840.34	2121.75	292.32	285.98
मक्का	1019.3	142.78	4675.78	634.85	7615.42	1020.88	62.87	60.81
विविध तैयार वस्तुएं	4147.89	581.3	5866.44	793.08	7406.98	993.85	26.26	25.32
अनाज से तैयार उत्पाद	3871.81	542.61	4705.81	635.75	4862.19	652.26	3.32	2.60
मूंगफली	5096.39	711.41	5381.61	727.4	4697.1	629.26	-12.72	-13.49
प्रसंस्कृत सब्जियां	2760.53	386.62	3718.63	501.61	3986.45	534.98	7.20	6.65
प्रसंस्कृत फल, जूस और नट्स	3086.44	432.04	3173.42	428.39	3626.08	486.58	14.26	13.58
ताजा प्याज	2320.7	324.2	2826.53	378.49	3432.16	460.56	21.43	21.68
काजू कर्नेल	4018.35	563.02	3112.22	420.43	3377.4	453.06	8.52	7.76
ग्वार गम	3261.6	456.91	1949.07	262.99	3334.77	446.77	71.10	69.88
डेयरी उत्पादों	1341.01	186.73	1491.66	201.37	2928.8	391.59	96.35	94.46
अन्य ताजे फल	2065.82	288.12	2233.31	301.99	2900.7	388.41	29.88	28.62
दालें	1533.74	214.89	2116.69	284.26	2834.29	379.75	33.90	33.59
गुड़ और कन्फेक्शनरी	1633.29	227.92	2659.57	358.88	2797.85	375.18	5.20	4.54
मिल्ड उत्पाद	1064.62	149.11	1513.44	204.03	2286.11	306.08	51.05	50.02
ताजा अंगूर	2176.87	298.04	2298.45	313.62	2302.16	305.68	0.16	-2.53
अन्य ताजी सब्जियां	2064.77	289.38	2143.2	289.12	2160.74	290.15	0.82	0.36
मादक पेय	1648.62	230.97	2386.91	322.12	2070.92	277.85	-13.24	-13.74
ककड़ी और खीरा (तैयार और परिरक्षित)	1241.21	173.49	1651.82	223.04	1487.3	199.46	-9.96	-10.57
प्राकृतिक शहद	633.79	88.71	716.13	96.77	1221.18	163.75	70.52	69.22

कोको उत्पाद	1274.34	178.89	1108.38	149.78	1145.48	153.71	3.35	2.62
आम की लुग्दी	584.32	81.9	714.41	96.43	924.54	124.11	29.41	28.70
पुष्पकृषि	541.61	75.9	575.98	77.84	771.41	103.5	33.93	32.97
फल और सब्जियां बीज	723.44	101.51	808.4	108.83	750.67	100.79	-7.14	-7.39
कैसिइन	7.55	1.03	180.41	24.54	592.78	79.36	228.57	223.39
पॉल्ट्री उत्पाद	574.58	80.36	435.53	58.7	529.8	71.03	21.64	21.01
अन्य अनाज	438.14	61.18	450.95	60.87	486.8	65.3	7.95	7.28
पशु केसिन	398.5	55.7	416.54	56.23	474.04	63.53	13.80	12.98
भेड़/बकरी का मांस	646.69	90.77	329.96	44.57	447.58	60.03	35.65	34.69
ताजा आम	400.21	56.11	271.88	36.22	327.45	44.07	20.44	21.67
अन्य (पान के पत्ते और नट्स)	137.13	19.22	137.79	18.67	215.23	28.85	56.20	54.53
एल्बुमिन (अंडे और दूध)	82.35	11.57	94.97	12.78	89.82	12.04	-5.42	-5.79
अखरोट	52.78	7.36	29.79	4.03	73.98	9.92	148.34	146.15
अन्य मांस	16.32	2.28	18.06	2.47	45.52	6.11	152.05	147.37
कार्डानोल	20.4	2.86	18.27	2.47	25.59	3.43	40.07	38.87
प्रसंस्कृत मांस	14.72	2.05	11.92	1.62	10.56	1.42	-11.41	-12.35
काजू खोल तरल	2.69	0.37	1.45	0.2	6.92	0.93	377.24	365.00
कुल	**119400.67**	**16699.53**	**153049.86**	**20673.95**	**184769.24**	**24773.99**	**20.72**	**19.83**

स्रोतः डीजीसीआईएस

3 प्राधिकरण बैठकें और सांविधिक कार्य

वर्ष 2021-22 के दौरान एपीडा प्राधिकरण की तीन बैठकें 30 जून, 2021 (100वीं प्राधिकरण बैठक), 26 नवंबर, 2021 (101 वीं प्राधिकरण बैठक) और 7 मार्च 2022 (102वीं प्राधिकरण बैठक) को आयोजित की गईं।

4 निर्यातकों का पंजीकरण

4.1 पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी)

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम 1985 (संशोधित) की धारा 12 उप-धारा (1) के तहत, प्रत्येक व्यक्ति जो अनुसूचित उत्पादों में से किसी एक या अधिक का निर्यात करता है, निर्यात की तिथि से एक माह के अन्दर या यह धारा लागू होने की तिथि से तीन माह के अन्दर, जो भी बाद में प्राधिकरण को अनुसूचित उत्पाद या उत्पादों के निर्यातक के रूप में पंजीकृत होने के लिए आवेदन करेगा। पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी) जारी किया जायेगा। और 2021-22 के दौरान जारी किए गए प्रमाणपत्रों का विवरण इस प्रकार है:

क्रमांक	कार्यालय का नाम	आरसीएमसी की कुल संख्या (नए)	आरसीएमसी की कुल संख्या (नवीकरण)	आरसीएमसी की कुल संख्या (संशोधन)
1	एपीडा बैंगलोर	630	253	466
2	एपीडा चेन्नई	1065	138	480
3	एपीडा दिल्ली	1468	496	1057
4	एपीडा गुवाहाटी	97	12	39
5	एपीडा गुजरात	2	0	0
6	एपीडा हैदराबाद	560	106	283
7	एपीडा कोच्चि	210	18	84
8	एपीडा कोलकाता	568	102	270
9	एपीडा मुम्बई	2986	673	1632
	कुल	**7586**	**1798**	**4311**

4.2 पंजीकरण-सह-आबंटन प्रमाणपत्र (आरसीएसी)

4.2.1 बासमती चावल के निर्यात के लिए आरसीएसी जारी करना

महानिदेशक विदेश व्यापार भारत सरकार, नई दिल्ली (डीजीएफटी) द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 18/2015-20 दिनांक 1 अगस्त 2016 के द्वारा, एपीडा में बासमती चावल के कॉनट्रक्ट के पंजीकरण के शर्ताधीन भारत से बासमती चावल के निर्यात की अनुमति है। एपीडा द्वारा जारी व्यापार सूचना दिनांक 16/09/2016 और तदुपरान्त समय-समय पर जारी किए गए संशोधनों की आवश्यकताओं के अनुसार आवेदनों की जांच करने के बाद पंजीकरण सह आवंटन प्रमाण पत्र (आरसीएसी) जारी किए जाते हैं।

2021-22 के दौरान बासमती चावल के निर्यात के लिए जारी आरसीएसी

कुल आरसीएसी	मात्रा (मिलियन मीट्रिक टन में)	एफओबी मूल्य (मिलियन अमेरिकी डॉलर में)
30320	3.8	3581

4.2.2 2021-22 के लिए मूंगफली और मूंगफली उत्पादों के निर्यात के लिए जारी निर्यात प्रमाण पत्र (सीओई)

एपीडा द्वारा मूंगफली और मूंगफली उत्पादों के निर्यातकों/प्रोसेसरो को उस मात्रा के लिए निर्यात प्रमाण पत्र जारी किया जाता है, जो एफ्लाटॉक्सिन जांच में पास होता है जो अधिकृत प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर होता है जो यह बताता है कि प्रोसेसिंग और पैकेजिंग एपीडा द्वारा पंजीकृत प्रोसेसिंग ईकाई और वेयर हाऊस में की गई है। सीओई के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने पर, एपीडा प्रक्रिया के अनुपालन की जांच करता है और उसके बाद डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित सीओई को ऑनलाइन जारी किया जाता है।

कुल सीओई	मात्रा
26,365	5,05,353

5 एपीडा में राजभाषा का कार्यान्वयन

एपीडा ने राजभाषा के प्रचार प्रसार हेतु संवैधानिक और सांविधिक उपबन्धों के अनुसार राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा संकल्प, 1968: राजभाषा नियम, 1976: राजभाषा संबन्धी संसदीय समिति की सिफारिशों पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति के आदेश: राजभाषा विभाग आदि द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिशा-निर्देश और लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी उपयोग के लिए एपीडा मुख्यालय के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यालयों में राजभाषा के कामकाज और कार्यान्वयन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। एपीडा ने भारत सरकार की राजभाषा नीति और उसके उद्देश्यों के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। एपीडा मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों के आधिकारिक कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। एपीडा के कर्मचारियों ने इस दिशा में अथक प्रयास किये हैं।

एपीडा गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। एपीडा ने राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं जैसे:

- भारत सरकार के राजभाषा अधिनियम और राजभाषा नियमों के विभिन्न प्रावधानों को 2021-22 के दौरान प्रभावी ढंग से लागू किया गया।
- राजभाषा नीति के बारे में जानकारी प्रदान करके, विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करके कार्मिको के बीच जागरूकता लायी गयी।
- व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रमों एवं निरीक्षणों के माध्यम से एपीडा के शासकीय कार्यों में हिन्दी के प्रयोग से संबंधित संवैधानिक एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं के क्रियान्वयन की निगरानी की।
- एपीडा भारत सरकार के आदेशों के अनुपालन के संबंध में विभिन्न मंत्रालयों/संस्थाओं/संगठनों के साथ लगातार संपर्क में था।
  वर्ष के दौरान नियमित रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गईं।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) के अंतर्गत सभी दस्तावेज अनिवार्य रूप से द्विभाषी रूप में जारी किए जाते हैं।
- हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर केवल राजभाषा नियम 5 के अनुसार हिंदी में दिया जाता है।
- हिन्दी के प्रगतिशील प्रयोग के लिए कार्मिको के लिए प्रोत्साहन योजनाएं बनाई गई और उन्हें लागू किया गया। कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को नगद पुरस्कार दिये गए।
- एपीडा ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में सक्रिय रूप से और नियमित रूप से भाग लिया है।
- हिंदी में पत्राचार को बढ़ाने और दिन-प्रतिदिन के कार्य में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, हिंदी कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं जिसमें एपीडा के अधिकारियों को राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निर्देशित किया है। राजभाषा नीति के प्रचार-प्रसार के लिए सरकार के आदेशों से अवगत कराने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया।
- कोविड-19 महामारी में वर्ष 2021-22 के दौरान 14 से 18 सितंबर तक हाइब्रिड मोड में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। संचार के नियमित माध्यम के रूप में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले कर्मचारियों के सम्मान में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।
- 14-09-2021 को हिंदी दिवस मनाया गया।
- कर्मचारियों को हिंदी में नियमित रूप से टिप्पणी करने में सहायता करने के लिए सभी फ़ाइल कवर द्विभाषी आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले वाक्यांशों के साथ मुद्रित होते हैं।
- प्रत्येक प्रभाग में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने और संबंधित प्रभाग की राजभाषा कार्यान्वयन की निगरानी के लिए प्रत्येक प्रभाग में नोडल अधिकारी नामित किए गए थे।
- एपीडा वेबसाइट हिंदी में उपलब्ध है और इसे समय-समय पर नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है।

- हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग के संबंध में राजभाषा तिमाही रिपोर्ट, छमाही रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना और सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों को प्रस्तुत करना।
- ई–अपेक्स पत्रिका भी नियमित रूप से द्विभाषी में जारी की जाती थी।
- राजभाषा के संचालनात्मक कार्यान्वयन तथा हिन्दी में पत्राचार को बढ़ाने के लिए एपीडा ने पहल की है और निम्नलिखित आनलाइन प्रमाण पत्र द्विभाषी रूप से जारी किए जा रहे हैं:–

(1) पंजीकरण सह सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी)
(2) पंजीकरण सह आवंटन प्रमाण पत्र (आरसीएसी)
(3) निर्यात का प्रमाण पत्र (सीओई)
(4) शैलिंग और ग्रेडिंग यूनिट की मान्यता का प्रमाणन
(5) बागवानी पैक हाउस के लिए मान्यता प्रमाण पत्र
(6) मांस प्लांटों के पंजीकरण का प्रमाण पत्र

6. एपीडा की कृषि निर्यात संवर्धन योजना

एपीडा की कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात प्रोत्साहन योजना एपीडा द्वारा संचालित एक निर्यात प्रोत्साहन योजना है। इस योजना का उद्देश्य निर्यातकों को सहायता प्रदान करके कृषि उत्पादों के निर्यात को सुविधाजनक बनाना है। यह निम्नलिखित द्वारा उद्देश्य को प्राप्त करता है:

- कृषि–निर्यातकों के सामने आने वाली कई चुनौतियों को समझना।
- इन चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने और एपीडा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सहायता की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए।
- वित्तीय सहायता तीन व्यापक क्षेत्रों में प्रदान की जाती है, अर्थात्: निर्यात अवसंरचना का विकास, गुणवत्ता विकास और बाजार विकास।

6.1 बाजार विकास

यह निर्यातकों को नए बाजारों में बाजार पहुंच प्राप्त करने और मौजूदा बाजारों में अपनी स्थिति बनाए रखने में सहायक है। इसमें खाद्य उत्पादों के निर्यात के लिए संरचित विपणन योजना सूचित निर्णय लेने के लिए मार्किट इन्टेलिजेन्स, अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर, कौशल विकास, क्षमता निर्माण और उच्च गुणवत्ता वाली पैकेजिंग को शामिल किया गया है। इस सहायता के अन्तर्गत निम्नलिखित शामिल हैं:

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी
- व्यापार प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान
- क्रेता–विक्रेता सम्मेलन का आयोजन
- नए उत्पादों के लिए पैकेजिंग मानकों का विकास करना और मौजूदा मानकों का उन्नयन करना

6.2 अवसंरचना विकास

एपीडा कृषि–उद्योगों के विकास और मूल्य श्रृंखला में कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए अवसंरचना के महत्व को मान्यता देता है। योजना में ताजा उत्पादन और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद दोनों शामिल हैं। योजना का उद्देश्य खराब होन के करण होने वाले नुकसान को कम करना और कृषि उत्पादों का गुणवत्ता उत्पादन सुनिश्चित करना है। इसे प्राप्त करने के लिए, फसल कटाई उपरान्त सुविधाओं को स्थापित करने की आवश्यकता होती है। इस योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित सहायता प्रदान की जाती है।

- अवसंरचना जैसे पैकिंग/ग्रेडिंग लाइनों के साथ पैक हाउस सुविधाएं।
- शीत भंडारण और रेफ्रिजरेटर परिवहन आदि के साथ प्री–कूलिंग इकाइयां।
- केले जैसी फसलों को प्रबंधक के लिए केबल प्रणाली
- सामान्य अवसंरचना सुविधाएं
- आयात करने वाले देशों की पादप–स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं के अनुपालन के लिए पूर्व–शिपमेंट उपचार सुविधाएं जैसे विकिरण, उच्च वाष्प उपचार (वीएचटी), गर्म पानी डुबकी उपचार (एचडब्ल्यूडीटी)।
- मिसिंग गैप को दूर करने के लिए प्रसंकरण सुविधाओं (प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र) के लिए अवसरंचना जिसमें एक्स–रे स्क्रीनिंग, सॉर्टेक्स, गंदगी/मेटल डिटेक्टर, सेंसर, वाइब्रेटर या खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आवश्यकताओं के लिए कोई नया उपकरण या प्रोद्योगिकी जैसे उपकरण शामिल है।

6.3 गुणवत्ता विकास

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भाग लेने/संलग्न होने के लिए, विभिन्न देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं का पालन करना आवश्यक है। कई आयातक देश कड़े अधिकतम अवशेष स्तर (एमआरएल) के पालन की मांग करते हैं। विकसित आयातक देशों ने बहुत कम स्तर पर एमआरएल स्थापना की है। इसके लिए, खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं द्वारा उच्च

परिशुद्धता उपकरणों को स्थापित करना आवश्यक है। इस घटक के अन्तर्गत आयातक देशों के निर्धारित मानकों का पालन करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है। इस घटक के अन्तर्गत निम्नलिखित सहायता प्रदान की जाती है:

- गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों की स्थापना,
- प्रयोगशाला परीक्षण उपकरण,
- ट्रेसबिलिटी सिस्टम और नमूने आदि के परीक्षण के लिए फार्म स्तर परिधीय निर्देशांक को पकड़ने के लिए हैंड हॉल्ड उपकरण।
- पानी, मिट्टी, अवशेषों या कीटनाशकों, पशु चिकित्सा दवाओं, हार्मोन, विषाक्त पदार्थों, भारी धातु, दूषित पदार्थों आदि का परीक्षण।

वर्ष 2021-22 का बजट विवरण इस प्रकार है:-

2021-22 के लिए बजट विवरण

	विवरण	स्वीकृत बजट 2021-22	राशि व्यय	राशि देय
नियोजित योजना				
1.	**सहायता अनुदान-सब्सिडी**			
क)	बाजार विकास	48.00	48.00	**शून्य**
	कुल (क)	**48.00**	**48.00**	**शून्य**
2.	**पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए अनुदान**			
ख)	अवसंरचना विकास	24.60	24.60	**शून्य**
	कुल (ख)	**24.60**	**24.60**	**शून्य**
3.	**सामान्य अनुदान सहायता**			
ग)	गुणवत्ता नियंत्रण	7.00	7.00	**शून्य**
	कुल (ख)	**7.00**	**7.00**	**शून्य**
4.	**पूर्वोत्तरक्षेत्र (एनईआर)**			
	(1) सहायता अनुदान (सामान्य)	2.00	2.00	**शून्य**
	(2) सब्सिडी	2.00	2.00	**शून्य**
	(3) पूंजीगत संपत्ति का निर्माण	1.40	1.40	**शून्य**
	कुल (घ)	**5.40**	**5.40**	**शून्य**
	कुल योग (क+ख+ग+घ)	**85.00**	**85.00**	**शून्य**

7 एपीडा की ई-गवर्नेंस पहल

7.1 निर्यातकों के लिए व्यापार में सुविधाएं सुनिश्चित करना

- **अनिवार्य दस्तावेज़ों में छूट:** एपीडा द्वारा व्यापारियों, निर्यातकों के पंजीकरण के लिए अनिवार्य दस्तावेज में छूट प्रदान की गई है। व्यापारी निर्यातकों के लिए सहायक दस्तावेजों को शून्य कर दिया गया है। व्यापारी निर्यातकों आवश्यक शुल्क ऑनलाइन भुगतान करके डीजीएफटी द्वारा मान्यता आईई कोड से आरसीएमसी प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्ण रूप से कागज रहित और सरलीकृत प्रक्रिया बन गई है।

- **ऑटो-नवीनीकरण:** एपीडा ने आरसीएमसी जारी करने और पैक हाउस पंजीकरण के लिए निर्यातकों के पंजीकरण के ऑटो नवीनीकरण को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है। 2021-22 के दौरान, एपीडा ने 1938 आरसीएमसी और 15 पैक हाउसों का ऑटो नवीनीकरण किया है।

- **राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (एनएसडब्ल्यूएस) एकीकरण:** एपीडा ने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से भाग लिया और उन अग्रणी संगठनों में से एक था जिन्होंने राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली के साथ अपने निर्यातक पंजीकरण प्रणाली को सफलतापूर्वक एकीकृत किया।

- **वित्तीय सहायता के लिए ऑनलाइन प्रणाली:** नई योजना (2022-2027) के अनुसार, एपीडा ने वित्तीय सहायता आवेदन और प्रक्रिया के लिए अपनी ऑनलाइन प्रणाली को नया रूप दिया है और इसे निर्यातकों और अन्य हितधारकों द्वारा बहुत अच्छी तरह से स्वीकार किया गया है।

- **चीनी आयात प्रमाण पत्र जारी करने का कागज रहित प्रक्रिया:** एपीडा ने हितधारकों और एपीडा अधिकारियों तक पहुंच को प्रोत्साहित करने और कागजी काम को कम करने के लिए चीनी आयात प्रमाण पत्र के कागज रहित प्रक्रिया को विकसित और कार्यान्वित किया है।

- **किसान सुविधा के साथ एपीडा सेवाओं का एकीकरण:** यह किसानों को प्रासंगिक जानकारी तुरंत प्राप्त करने में मदद करने के लिए विकसित एक सर्वव्यापी मोबाइल ऐप है। यह ऐप मौसम, बाजार मूल्य, बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनरी, डीलरों, कृषि सलाह, प्लांट सुरक्षा और आईपीएम प्रक्रिया आदि जैसे विभिन्न विवरणों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

- **किसान रथ के साथ एपीडा सेवाओं का एकीकरण:** कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के सहयोग से किसानों और व्यापारियों को कृषि और बागवानी उत्पादों की आवाजाही के लिए प्राथमिक और माध्यमिक परिवहन के लिए परिवहन वाहनों की खोज में सुविधा प्रदान करने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन "किसान रथ" विकसित किया है। प्राथमिक परिवहन में फार्म से मंडियों, एफपीओ संग्रह केंद्र और गोदामों आदि की आवाजाही शामिल होगी। माध्यमिक परिवहन में मंडियों से अंतर्राज्यीय और अंतर-राज्यीय मंडियों, प्रसंस्करण इकाइयों, रेलवे स्टेशन, गोदामों और थोक विक्रेताओं आदि की आवाजाही शामिल होगी।

7.2 भारत के निर्यात बाध्य उत्पाद के लिए पता लगाने की क्षमता और प्रमाणन प्रणाली

- **पता लगाने की क्षमता और प्रमाणन प्रणाली का सुदृढ़ीकरण:** एपीडा ने भारत से जैविक उत्पादों के निर्यात के लिए ट्रेसनेट, अंगूर, अनार, आम, 43 सब्जियां, खट्टे फल, 6 अन्य फल, पान के पत्ते, प्याज और केला हॉर्टी.नेट, भैंस, भेड़, बकरी के मांस आदि के लिए मीट.नेट, मूंगफली और उसके उत्पाद हेतु पीनट.नेट और भारतीय बासमती चावल के निर्यात हेतु बासमती.नेट आदि जैसे पता लगाने की क्षमता और प्रमाणन प्रणाली सफलतापूर्वक सुदृढ़ीकरण किया है।

- **उन्नत लैब मॉड्यूल:** एपीडा द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं द्वारा उत्पाद नमूना विश्लेषण और लैब्स परीक्षण रिपोर्टिंग को ट्रेसनेट के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे जैविक उत्पाद निर्यात के लिए गुणवत्ता आश्वासन की निगरानी के लिए अतिरिक्त कार्यक्षमता आती है।

- **ट्रेसनेट के तहत किसानों के पंजीकरण में स्पाइक:** ट्रेसनेट ने 2021-22 में 5200+ करोड़ के निर्यात के साथ पिछले वर्ष के 15.99 लाख (2020-21) से पंजीकृत 9 लाख अतिरिक्त किसानों को जोड़ा है। बासमती.नेट ने पहली बार निगरानी और निर्यात आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण की सुविधा के लिए 80000+ किसानों को पंजीकृत किया। हॉर्टीनेट ने निर्यात के लिए पहली बार प्याज, केला और कुछ अन्य फलों और सब्जियों के लिए किसान पंजीकरण की शुरुआत की।

- **हितधारकों के लिए वीडियो नियमावली:** हितधारकों को शिक्षित करने और उन्हें ट्रेसबिलिटी की सॉफ्टवेयर प्रक्रिया के बारे में जागरूक करने के लिए, हॉर्टीनेट सिस्टम (अंगूर, आम, प्याज, केला, साइट्रस, सब्जियां आदि) एपीडा ने डिजिटल प्लेटफार्म पर उपयोगकर्ता पुस्तिका के लिए वीडियो बनाने की पहल की।

7.3 ब्लॉकचैन की शुरुआत के माध्यम से एपीडा के ट्रैसेबिलिटी सिस्टम में आश्वासन बढ़ाना

एपीडा ट्रेसबिलिटी और प्रमाणन प्रणालियों में आवश्यक साइबर सुरक्षा नियंत्रण मौजूद हैं और सीईआरटी-इन सूचीबद्ध लेखा परीक्षकों द्वारा नियमित रूप से लेखा परीक्षा की जाती है, एपीडा में एक निजी, अनुमति प्राप्त ब्लॉकचैन नेटवर्क को लागू करके आश्वासन की एक अतिरिक्त परत बनाने की परिकल्पना की गई थी और इसे शुरुआत में ग्रेपनेट के साथ एकीकृत किया गया था और बाद में हर्टिनेट के तहत सभी उत्पादों को कवर करने के लिए विस्तारित किया गया था। आज एपीडा ब्लाकचैन रिपोजिटरी अधिकृत बाहरी उपयोगकर्ताओं को फार्म पंजीकरण, माल निर्माण, लैब परीक्षण और एगमार्क/फाइटो-सैनिटरी प्रमाणपत्रों के विवरण को संदर्भित करने और सत्यापित करने की अनुमति दे सकता है। यह ब्लॉकचेन नेटवर्क आने वाले समय में भारत की केंद्र और राज्य सरकारों के अन्य हितधारकों को शामिल करने के लिए विस्तार कर सकता है जिससे ब्लॉकचैन की वास्तविक शक्ति प्रदर्शित होगी।

7.4 वर्चुअल व्यापार मेले (वीटीएफ)

- **ऑनलाइन वीटीएफ का कार्यान्वयन:** प्रदर्शकों और आगंतुकों के लिए एपीडा वर्चुअल व्यापार मेला विशेष ऑनलाइन प्लेटफार्म है। प्रदर्शक (निर्यातक) और उद्योग के आगंतुक सूचनाओं का आदान-प्रदान करने, नए उत्पादों को प्रस्तुत करना, व्यावसायिक लेनदेन के बारे में बातचीत करने और व्यावसायिक संबंध स्थापित करने के लिए मिल सकते हैं।

- **मिमिक्स वास्तविक व्यापार शो:** एपीडा वीटीएफ एक वास्तविक व्यापार शो है जहाँ उपस्थित लोगों को वर्चुअल प्लेटफार्म पर पहुंचने से लेकर इवेंट से अंतिम रूप से बाहर निकलने तक का सकारात्मक अनुभव होता है।

- 2021-22 में दो वीटीएफ सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जैसे भारतीय फल, सब्जियाँ और पुष्पकृषि शो और एक्सपोर्ट हब, डीजीएफटी के अन्तर्गत वर्चुअल आउटरीच इवेंट।

7.5 वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक

एपीडा ने चयनित उत्पादों और लक्ष्य आयात करने वाले देशों के लिए क्लाउड वीडियो मैसेजिंग प्लेटफार्म जैसे जूम, वीबेक्स, गूगल मीट आदि का लाभ उठाते हुए 25 से अधिक क्रेता-विक्रेता बैठकें सफलतापूर्वक आयोजित की हैं।

7.6 एपीडा मोबाइल ऐप

- **एग्री एक्सचेंज मोबाइल ऐप:** एपीडा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर बाजार की जानकारी तक पहुंचने और एपीडा के साथ उनके द्वारा दायर विभिन्न आवेदनों की स्थिति को ट्रैक करने के लिए 2021-22 के दौरान एग्रीएक्सचेंज मोबाइल ऐप लान्च किया है। यह ऐप स्वचालित रूप से 36,000+ सक्रिय एपीडा पंजीकृत निर्यातक सदस्यों को दैनिक समाचार अलर्ट और ट्रेड

लीड प्राप्त करने की अनुमति देता है।

- **फार्म पंजीकरण मोबाइल ऐप:** एपीडा ने 2021–22 में निर्यात के लिए पंजीकृत किसानों के लिए नए उत्पादों को जोड़कर अपने फार्म पंजीकरण ऐप को भी मजबूत किया। स्थापना आधार 2021–22 में 50,000+ को पार कर गया है।

7.7 निर्यात संवर्धन के लिए एपीडा वेबसाइट को बढ़ाना

- **वेब पोर्टल का नया स्वरूप:** एपीडा वेबसाइट और इसके एग्री एक्सचेंज पोर्टल के लगातार बढ़ते उपयोग के साथ, एपीडा ने जीआईजीडब्ल्यू दिशानिर्देशों के अनुसार अपनी वेबसाइट को एक नए रूप, उपयोगकर्ता अनुभव और नई सुविधाओं के साथ नया रूप दिया है।

7.8 निर्यात संवर्धन के लिए सोशल मीडिया प्रबंधन और डिजिटल मार्केटिंग

- **सोशल मीडिया में एपीडा की उपस्थिति:** एपीडा सक्रिय रूप से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग करता है और फेसबुक, ट्विटर, कू, इंस्टाग्राम इत्यादि जैसे प्रमुख प्लेटफार्मों में एपीडा उत्पादों और कार्यक्रमों की उपस्थिति और प्रचार का प्रबंधन करने वाली एक समर्पित टीम है। वर्ष के दौरान कुल 858 ट्वीट्स ।

- **दैनिक समाचार पत्र:** एपीडा ने 2021–22 के दौरान हितधारकों के लिए पोषण के निगरानी उत्पादों के लिए ग्लोबल एग्री न्यूज (2700 से अधिक) की पहचान की और यह रोजाना 35,000 से अधिक ग्राहकों तक पहुंचता है।
- **प्रेस प्रकाशित:** वर्ष 2021–22 के दौरान की उपलब्धि एवं गतिविधि पर प्रेस नोट प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित हुए तथा आयोजित कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

7.9 एनआईसी क्लाउड

एपीडा अपने आईटी अवसंरचना के निर्माण और निर्यात प्रोत्साहन के लिए अनुप्रयोगों के लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग करने में अग्रणी रहा है। क्लाउड प्रौद्योगिकी के विकास और एक सुरक्षित वातावरण में एनआईसी क्लाउड द्वारा पेश की गई क्षमता को बढ़ाने के साथ, एपीडा सफलतापूर्वक माइग्रेट हो गया है और निगरानी कर रहा है, 2021–22 के दौरान अपने सभी आईईटी सिस्टम को एनआईसी क्लाउड में अपग्रेड कर रहा है। इसने एपीडा डिजिटल सिस्टम के प्रदर्शन की आसान निगरानी के साथ–साथ अपने हितधारकों को बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान किया है।

7.10 एपीडा आईटी पहलों ने एपीडा के अन्तर्गत आने वाले उत्पादों को भारत के 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य की तुलना में 2021–2022 के दौरान 24.6 बिलियन अमेरिकी डालर का योगदान करने में सक्षम बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एपीडा उत्पादों ने कुल कृषि निर्यात में 50 प्रतिशत योगदान दिया है।

7.11 सतर्कता प्रशासन:

एपीडा में निदेशक के पदधारी को सीवीओ के रूप में नामित किया गया है, उनको कार्मिक और प्रशासन प्रभाग द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। शिकायतों को प्राप्त करने और उनकी जांच करने सहित सभी सतर्कता संबंधी मामलों को सीवीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार निपटाया जाता है।
सतर्कता प्रशासन और सतर्कता मुद्दों से संबंधित नियमित/आवधिक रिपोर्टें वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) के सतर्कता अनुभाग को समय–समय पर यथा निर्धारित/अपेक्षित भेजी जाती हैं।

एपीडा तकनीकी तथा पर्याप्त जांच के माध्यम से भ्रष्टाचार को रोकने/कम करने के उपाय कर रहा है। जनता के साथ पारदर्शिता और न्यूनतम अंतराफलक सुनिश्चित करने के लिए, एपीडा वेबसाइट (https://apeda.gov.in/apedawebsite/) पर एपीडा कार्यों से संबंधित सभी ऑनलाइन प्रक्रियाएं / पंजीकरण / प्रमाणन आदि प्रदान करती है।

8 **बागवानी क्षेत्र (ताजे फल और सब्जियां और पुष्पकृषि)**

1 **वर्चुअल व्यापार मेला:** फलों, सब्जियों, बीजों और पुष्पकृषि को बढ़ावा देने के लिए वर्चुअल व्यापार मेला 27 मई से 29 मई 2021 तक आयोजित किया गया जहाँ एपीडा पंजीकृत निर्यातकों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया और भारतीय उच्चायोग और भारतीय दूतावास के माध्यम से आगंतुकों को आमंत्रित किया गया। इस आयोजन में 883 आगंतुक और 443 प्रदर्शक शामिल हुए।

2 **आम प्रचार कार्यक्रम:**

- आम प्रचार कार्यक्रम जून 2021 के पहले सप्ताह में बर्लिन, जर्मनी में भारतीय दूतावास, बर्लिन के सहयोग से आयोजित किया गया था।
- 2022 में टोक्यो जापान में भारत का वर्चुअल आम महोत्सव 28.03.2022 को भारतीय दूतावास, टोक्यो के माध्यम से आयोजित किया गया था जहाँ जापान के आयातकों, निर्यातक, एपीडा और दूतावास टोक्यो के अधिकारी ने बातचीत की।

3 **निर्यात संवर्धन पहल:**

- 26 जून 2021 को असम से दुबई को निर्यात किए गए बर्मी अंगूर (अक लेटेकु) की पहली खेप।
- 25 जून 2021 को महाराष्ट्र के सांगली जिले से दुबई में निर्यात किए गए ड्रैगन फ्रूट्स की पहली खेप।
- 24 मीट्रिक टन संतरे की पहली खेप मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से बांग्लादेश को निर्यात की गई।
- कश्मीर घाटी, श्रीनगर से दुबई के लिए मिश्री किस्म चेरी की पहली वाणिज्यिक शिपमेंट 5 जुलाई 2021 को आयोजित की गई थी।
- एपीडा द्वारा गुवाहाटी से तीन अलग-अलग स्थानों यानी लंदन, जर्मनी और दुबई में कटहल के निर्यात का आयोजन किया गया था।
- सीजन 2022 के लिए जापान के लिए आम की पहली खेप 26 मार्च 2022 को मुंबई बंदरगाह से जापान के ओकिनावा हवाई अड्डे के लिए भेजी गई थी।

4 **निर्यात के लिए व्यापार पहल:**

- एपीडा ने भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका में फलों के सहकारी निर्यात के लिए यूएसडीए एपीएचआईएस के साथ सहकारी सेवा समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह 2022 में यूएसए को आम के निर्यात में सहायता करने जा रहा है। आम का निर्यात पिछले दो वर्षों में नहीं हुआ क्योंकि यूएसडीए के निरीक्षक कोविड-19 के कारण भारत का दौरा नहीं कर सके। एपीडा ने निमंत्रण के लिए यूएसडीए के साथ समन्वय किया, नासिक, वाशी और मलूर में तीन विकिरण संयंत्रों के लिए यूएसडीए अधिकारियों को नियुक्त किया।
- भारत से मलेशिया में आमों के निर्यात की सुविधा के लिए विकिरण सुविधा के निरीक्षण के लिए मलेशिया प्रतिनिधियों को निमंत्रण।
- संबंधित देशों को आमों के निर्यात के लिए वीएचटी सुविधा के अनुमोदन के लिए एपीक्यूए, दक्षिण कोरिया और एमएएफएफ, जापान को वीएचटी सुविधा के दस्तावेज जमा करने की पहल करना।

5 **जीआई उत्पाद प्रचार:**

- जीआई टैग वाले आमों की पहली खेप जून 2021 में निर्यात की गई थी। जीआई टैग जरदालू आमों को पहली बार भागलपुर, बिहार से यूके में निर्यात किया गया था और मलिहाबादी दशरी आमों को लखनऊ, उत्तर प्रदेश से यूके में निर्यात किया गया था।
- जीआई टैग जलगांव केले जून 2021 के महीने में दुबई को निर्यात किए गए थे।
- जीआई टैगिंग किंग चिली (नागा मिर्चा) को नागालैंड से लंदन के लिए 29 जुलाई 2021 को गुवाहाटी हवाई अड्डे से पहली बार गुवाहाटी में एपीडा द्वारा मान्यता प्राप्त पैक हाउस से झंडी दिखाकर रवाना किया गया था।

6 **जीएसीसी पंजीकरणः** एपीडा ने भारत के दूतावास, बीजिंग के माध्यम से चीन को अंगूर के निर्यात के लिए जीएसीसी पंजीकरण के लिए 20 पैक होसेस और उनसे जुड़े बागों की एक सूची प्रस्तुत की है। 15 मार्च 2022 को चीन को अंगूर के निर्यात के लिए जीएसीसी द्वारा पहचाने गए तीन पैक हाउस का एक वीडियो निरीक्षण आयोजित किया गया था। 20 पैक हाउस और बागों को जीएसीसी द्वारा अनुमोदित किया गया था और सूची जीएसीसी वेब साइट पर प्रकाशित की गई थी।

7 **क्रेता विक्रेता बैठकः**

- वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक दिसंबर 2021 में भारत के निर्यातकों और ईरान के आयातकों के साथ संभावित निर्यात के लिए बातचीत करने के लिए आयोजित की गई थी।
- एपीडा ने 29 मार्च 2022 को शिलांग, मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया, जहां ग्रीस, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया और सिंगापुर के आयातकों को निर्यातकों और एनईआर राज्यों के एफपीओ / एफपीसी के साथ बातचीत करने के लिए एपीडा द्वारा लाया गया।

9 प्रसंस्कृत और अन्य प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र

- **निर्यातकों के साथ क्षेत्रीय बैठक** – 19/01/2022 को मूंगफली और मूंगफली उत्पादों, 09/02/2022 को निजर्लित और जमी हुई सब्जियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों के निर्यातकों के साथ वर्चुअल बैठक की व्यवस्था की गई, जिससे उन्हें निर्यात आवश्यकता के बारे में संवेदशील बनाया जा सके और उन्हें वित्तीय सहायता योजना के नए दिशा निर्देशों जीएमपी/जीएचपी की आवश्यकता, जीएसीसी चीन के साथ भारतीय निर्माता के पंजीकरण के बारे में अवगत करवाया जा सके।

- **जीएसीसी पंजीकरण** – दि जनरल एडमिनस्ट्रेशन ऑफ कस्टम ऑफ चीन (जीएसीसी) ने 12 अप्रैल 2021 को आयातित खाद्य (डिग्री 248) के विदेशी उत्पादकों के पंजीकरण और प्रशासन और आयात और निर्यात खाद्य सुरक्षा (डिग्री 249) पर प्रशासनिक उपायों पर विनियम जारी किए। दोनों आदेश 1 जनवरी 2022 को 8 महीने से भी कम समय में लागू हुए। इन नए नियमों के तहत, सभी विदेशी खाद्य उत्पादन, प्रसंस्करण और भंडारण उद्यमों को 1 जनवरी 2022 तक खुद को जीएसीसी के साथ पंजीकृत करवाना होगा। ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में उनकी सहायता के लिए निर्यातकों के साथ एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। पंजीकरण के पहले चरण में, भारतीय निर्माता का विवरण भारतीय दूतावास (ईओआई) के माध्यम से जीएसीसी के साथ साझा किया गया था और एपीडा के तहत 144 पंजीकरण किए गए थे। दूसरे चरण में चीन ने पंजीकरण के लिए एक नया ऑनलाइन प्लेटफीर्म https://cifer-singlewindow-cn/ शुरू किया। ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से 30 से अधिक खातों का सत्यापन किया गया है और कुल 5 पंजीकरणों को चीन कस्टम द्वारा अनुमोदित किया गया है।

- **नई प्रौद्योगिकी पहल** – अवसंरचना विकास के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता योजना की मदद से फ्रीज सुखाने, व्यक्तिगत त्वरित फ्रोजन (आईक्यूएफ), फ्रूट फ्ला स्कैनिंग मशीन जैसी नई प्रौद्योगिकियों की स्थापना में निर्यातकों का समर्थन किया गया था। दुनिया भर में निर्यात किए गए तैयार संसाधित उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, यह सुनिश्चित किया जाता है कि निर्यातकों ने अच्छी तरह से स्थापित एफएसएमएस योजना लागू की है। एपीडा ने अपनी एफएसएमएस योजनाओं को स्थापित करने में निर्यातकों की सुविधा के लिए एफएसएमएस प्रमाणन और कार्यान्वयन एजेंसियों को मान्यता दी।

- **मूंगफली.नेट** – मूंगफली और मूंगफली उत्पादों के निर्यात के लिए संशोधित प्रक्रिया व्यापार सूचना संख्या: एपीडा/पीपीपी/ क्यू/2021 दिनांक 05/07/2021 के माध्यम से जारी की गई थी। मूंगफली के छिलके/ग्रेडिंग/प्रसंस्करण इकाई के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए, निरीक्षण की अवधि 1 दिन से घटाकर आधा दिन कर दी जाती है और आवेदन के 24 घंटे के भीतर निर्यात का प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2021-2022 के दौरान मूंगफली इकाइयों के नए पंजीकरण/नवीनीकरण के लिए मूंगफली.नेट के ऑनलाइन पोर्टल, 199 पंजीकरण प्रमाण पत्र और 5,05,353 मीट्रिक टन मूंगफली के निर्यात के लिए 26365 ''निर्यात प्रमाण पत्र'' जारी किए गए।

- **आरएएसएफएफ अलर्ट और शिकायतें** – प्राप्त आरएएसएफएफ/शिकायतों की जांच की गई और निर्यातकों को जांच और सुधारात्मक कार्रवा के लिए सूचित कर दिया गया है। निर्यातकों द्वारा अपेक्षित दस्तावेज और सुधारात्मक कार्रवाई की प्राप्ति के बाद मामले की जांच की गई।

- **फ्लैग ऑफ** – जीआई टैग "मिहिदाना" की पहली खेप एपीडा पंजीकृत मैसर्स द्वारा बहरीन को निर्यात की गई थी। डीएम एंटरप्राइजेज, कोलकाता को अलजाजीरा ग्रुप, बहरीन द्वारा आयात किया गया। पश्चिम बंगाल की मिठाई बहरीन के अलजज़ीरा सुपर स्टॉर्स में उपभोक्ताओं को प्रदर्शित की जा रही है। आगामी दिवाली उत्सव के दौरान बहरीन को अनोखे मीठे पकवानों की अधिक खेप निर्यात की जाएगी।

10 पशुधन क्षेत्र

1 निर्यात प्रोत्साहन पहल

- 25 मार्च, 2022 को मूल्य वर्धित मांस उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने पर एक राष्ट्रीय व्यापार बैठक का आयोजन किया जिसमे इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में और डीएएचडी, एमओसी और आई और एमओएफपीआ, निदेशक- एनआरसी पिग पर, निदेशक- एनआरसी मांस हैदराबाद, एआईएमएलईए, मांस निर्यातक आदि के अधिकारियों ने भाग लिया। यह आयोजन मूल्य वर्धित मांस उत्पादों के निर्यात में व्यापार के अवसरों का पता लगाने पर केंद्रित था।

- एपीडा ने पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के माननीय मंत्री के साथ बाजार पहुंच से संबंधित मुद्दों पर बैठक की और जमे हुए भैंस के मांस, भेड़ / बकरी के मांस, डेयरी उत्पादों और पोल्ट्री उत्पादों जैसे पशुधन उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए रणनीति सह कार्य योजना तैयार की। और उनकी ओर से आवश्यक कार्रवाई के लिए पशुपालन और डेयरी विभाग प्रस्तुत किया गया।

- भारत के दूतावास, अंगोला के सहयोग से एक वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया और इसमें ईओआई, अंगोला, भारत सरकार, अंगोला और एपीडा के व्यापार संघों, आयातकों और निर्यातकों के अधिकारियों ने भाग लिया। यह आयोजन भारत से अंगोला तक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों में व्यापार के अवसरों का पता लगाने पर केंद्रित था।

- पशुपालन विभाग (डीएएचडी) और मार्केट एक्सेस, टीबीटी के सहयोग से भैंस के मांस के हितधारकों के साथ बैठक की गई और बाधाओं पर चर्चा की गई।

- क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई ने नमक्कल, इरोड और सेलम में पोल्ट्री समूहों के लिए "आजादी का अमृत महोत्सव" पर स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष के उपलक्ष्य में 7 जून को वर्चुअल प्लेटफार्म पर पोल्ट्री समूहों में निर्यातकों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। नमक्कल में कुक्कुट उत्पादों के परीक्षण के लिए प्रयोगशाला को वित्तीय सहायता प्रदान कर प्रयोगशाला को मजबूत करने का अनुरोध किया गया।

- झबुआ जिले में कड़कनाथ मुर्गे पर एक वर्चुअल क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया जो कि एक जीआई उत्पाद है। बैठक के दौरान जिला पशुपालन विभाग, केवीके और संभावित कड़कनाथ किसान मौजूद थे। कुक्कुट किसानों ने अपने विचार साझा किए और केवीके वैज्ञानिक ने झबुआ जिले में कड़कनाथ मुर्गे को बढ़ावा देने के टिप्स दिए।

- एपीडा ने मई 2021के दौरान पोल्ट्री निर्यातकों, राज्य सरकार के पशुपालन विभाग, प्रयोगशाला और अन्य हितधारकों के साथ एक वर्चुअल बैठक आयोजित की और पॉल्ट्री ईकाई के संचालन और कोविड-19 की स्थिति के कारण पॉल्ट्री उद्योग से संबंधित मुद्दों, बाजार पहुँच से संबंधित मुद्दों और रोग मुक्त क्षेत्र की घोषणा पर चर्चा की गई।

- एपीडा निर्यातकों को विभिन्न आयातक देशों से अपनी इकाइयों को पंजीकृत और अनुमोदित कराने की सुविधा प्रदान कर रहा है। एसएफडीए, सऊदी अरब ने भारत से सऊदी अरब को शहद और शहद उत्पादों का निर्यात करने के लिए आठ शहद निर्यातकों को पंजीकृत किया है।

- एपीडा के अनुरोध पर, डीओसी ने कच्चे नमकीन भैंस की खाल के निर्यात पर शुल्क 40% से घटाकर 30% कर दिया है।

2 बाजार पहुंच के मुद्दे और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

- मलेशिया निरीक्षण मिशन ने मलेशिया में जमे हुए भैंस के मांस और आफल के निर्यात के लिए मांस संयंत्रों को मंजूरी देने के लिए भारत में मांस प्रतिष्ठानों की समीक्षा और अनुपालन लेखा परीक्षा के लिए भारत का दौरा किया है। उन्होंने दो चरणों में 39 मांस प्रतिष्ठानों और एक भैंस जिलेटिन इकाई का दौरा किया और निर्यातकों को संवेदनशील बनाने, प्रतिनिधियों के ठहरने और यात्रा जैसी सभी तैयारियां एपीडा द्वारा की गई।

- एपीडा ने ब्रुनेइ, इंडोनेशिया, अंगोला, वियतनाम और अन्य देशों के प्रतिनिधिमंडलों को मांस प्रसंस्करण इकाइयों के निरीक्षण के लिए आमंत्रित किया है ताकि उनकी इकाइयों को अपने देशों में जमे हुए भैंस के मांस का निर्यात करने की अनुमति मिल सके। एपीडा ने भारत से वियतनाम में भैंस के आंतरिक अंगों (ऑफल्स) के निर्यात पर हस्ताक्षर करने के लिए पशु स्वास्थ्य विभाग (डीएएच), कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय, वियतनाम के साथ समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार और साझा किया है।

- हाथरस, यूपी के डेयरी उत्पादों के निर्यातक एपीडा के सहयोग से जून, 2021 के दौरान पहली बार न्यूजीलैंड और सऊदी अरब को सफेद भैंस के मक्खन का निर्यात किया गया।

- सऊदी अरब ने दो राज्यों–केरल और मध्य प्रदेश को छोड़कर भारत से हैच अंडे (एक दिन पुराने) के निर्यात से प्रतिबंध हटा लिया है।

11. अनाज क्षेत्र

1 व्यापार संवर्धन गतिविधियाँ

- 22 अप्रैल, 2021 को भारत के महावाणिज्य दूतावास, हो ची मिन्ह सिटी और लाम डोंग प्रांत की पीपुल्स कमेटी के सहयोग से एक वीबीएसएम का आयोजन किया गया।

- वर्चुअल बीएसएम भारतीय उच्चायोग, ब्रुने और कृषि और कृषि-खाद्य विभाग, ब्रुनेइ दारुस्सलाम के सहयोग से 27 अप्रैल, 2021को आयोजित किया गया था।

- पारादीप बंदरगाह, ओडिशा से गैर-बासमती चावल के निर्यात की पहली खेप को 3 मई 2021 को वियतनाम को भेजी गई ताकि भारत की चावल निर्यात क्षमता को विशेष रूप से पूवह्न क्षेत्र से बढ़ाया जा सके।

- उत्तराखंड से डेनमार्क के लिए आर्गेनिक बार्नयार्ड और फिंगर मिलेट शिपमेंट के शिपमेंट को 5 मई 2021को भेजी गई। देश से जैविक उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, देवभूमि (भगवान की भूमि) में गंगा के बर्फ-पिघले पानी से हिमालय में उगाए गए बाजरा की पहली खेप, उत्तराखंड से डेनमार्क को निर्यात किया जाएगा।

- घाना और यमन को ग्राम चावल निर्यात करने के लिए 29 मई 2021 को एक ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया था। भारत की गैर-बासमती चावल निर्यात क्षमता को एक प्रमुख बढ़ावा देने के लिए, एक स्टार्ट-अप उदय एग्रो फार्म द्वारा कुंभकोणम, तंजावुर जिले, तमिलनाडु से 4.5 मीट्रिक टन पेटेंट वाले 'ग्राम चावल' की दो खेपों को हवाई मार्ग और समुद्री मार्ग के माध्यम से घाना और यमन में निर्यात किया गया था।

- पूर्वी क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए संभावनाओं की एक खिड़की खोलने के लिए 7 जून 2021 को पश्चिम बंगाल से नेपाल के लिए मूंगफली की पहली खेप को भेजी गई।

- गुजरात से केन्या और श्रीलंका को निर्यात किए गए जीआई टैग वाले भालिया गेहूं की पहली खेप 7 जुलाई 2021 को आयोजित की गई थी।

- 27 जुलाई 2021 को बाजरा, ओडिशा के एफपीओ / प्रगतिशील किसानों के लिए एक निर्यात संवेदीकरण कार्यक्रम सह क्रेता विक्रेता बैठक आयोजित की गई है।

- 30 जुलाई 2021 को स्टार्ट-अप्स/एफपीओ के लिए भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) के सहयोग से एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- एपीडा ने भारतीय दूतावास के सहयोग से कृषि निर्यात क्षमता को बढ़ावा देने के लिए लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिनब्लिक के साथ 11 अगस्त 2021 को वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक (वीबीएसएम) का आयोजन किया, जिसमें दोनों देशों के खाद्य उद्योगों के प्रमुख अधिकारियों और हितधारकों ने भाग लिया।

- एपीडा ने लोमे, टोगो में भारतीय दूतावास के सहयोग से 1 अक्टूबर 2021 को गैर बासमती चावल निर्यातकों और टोगो आयातकों की वर्चुअल संवादात्मक बैठक का आयोजन किया।

2 खरीफ में कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों के लिए जागरूकता अभियान, 2021

- अच्छी गुणवत्ता वाले बासमती चावल की उपलब्धता बढ़ाने और कीटनाशकों के अवशेषों के संबंध में आयातक देशों के मानकों को पूरा करने के लिए, एपीडा बासमती उत्पादकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए जीआई क्षेत्र में 7 राज्यों का समर्थन कर रहा है। किसानों को अच्छी कृषि पद्धतियों और कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए जागरूक करने के लिए एपीडा द्वारा बी डीएफ के समर्थन से लगभग 76 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

- राज्यों, एपीडा और निर्यातकों के सभी संस्थानों की पहुंच में सुधार के लिए किसानों को बासमती.नेट पर पंजीकृत किया जा रहा है। बासमती.नेट एपीडा द्वारा खरीफ, 2017 में शुरू किए गए किसानों के पंजीकरण के लिए एक वेब-सक्षम प्रणाली है। बासमती के कार्यान्वयन के लिए पंजाब, हरियाणा और जम्मू और कश्मीर राज्य में 125903 किसानों को पंजीकृत किया गया है। अन्य राज्यों में एपीडा नियमित रूप से यूपी, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और दिल्ली सरकार के संपर्क में है।

12. जैविक क्षेत्र

आयातक देशों के साथ पारस्परिक मान्यता

- **ताइवान** – भारत ने 2009 में ताइवान के जैविक मानकों के साथ एनपीओपी की समानता के लिए पहल की थी, ताइवान ने जैविक प्रणाली की पारस्परिक मान्यता के लिए आगे बढ़ने की इच्छा व्यक्त की थी। तदनुसार, दोनों देशों ने एक दूसरे के मानकों की समीक्षा की और राष्ट्रीय विनियमन के कार्यान्वयन को सत्यापित करने के लिए ऑनसाइट मूल्यांकन किया जिसके बाद मानकों के अनुपालन को प्रदर्शित करने के लिए अतिरिक्त स्पष्टीकरण प्रदान किए गए हैं। भारत और ताइवान के बीच समझौता ज्ञापन किया गया है।

- **आस्ट्रेलिया** – आस्ट्रेलिया के साथ आपसी मान्यता के एपीडा के प्रस्ताव के आधार पर, उनसे औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हुई है और तकनीकी चर्चा शुरू हो गई है। दोनों देश 2023 में बात-चीत को पूरा करने पर सहमत हुए हैं।

- **न्यूजीलैंड** – न्यूजीलैंड को जैविक उत्पादों के निर्यात के लिए एनपीओपी के साथ पारस्परिक मान्यता में प्रवेश करने की अपनी इच्छा का संकेत दिया।

- **कनाडा** – एपीडा को कंफॉर्मिटी वेरिफिकेशन बॉडी (सीवीबी) का दर्जा देने के लिए बातचीत का मामला जो लंबे समय से लंबित है, जिसे भारत-कनाडा वार्षिक मंत्रिस्तरीय वार्ता में चर्चा के लिए शामिल किया गया है।

- **संयुक्त अरब अमीरात** – भारत के महावाणिज्य दूतावास (सीजीआई) दुबई के माध्यम से जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण मंत्रालय और उद्योग और उन्नत प्रौद्योगिकी मंत्रालय, संयुक्त अरब अमीरात ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ पारस्परिक मान्यता के लिए एपीडा के प्रस्ताव पर विचार किया।

- **यूनाइटेड किंगडम** – यूनाइटेड किंगडम को जैविक उत्पादों के निर्यात के लिए एक सहज प्रक्रिया विकसित करने के लिए, जैविक उत्पादों के संभावित दायरे को शामिल करते हुए पारस्परिक मान्यता प्रणाली में प्रवेश करने का प्रस्ताव किया गया है।

- **यूरोपीय संघ** – यूरोपीय संघ के विनियमन के साथ नियमित अनुवतह्ल कार्रवाई के बाद, यूरोपीय आयोग ने औपचारिक रूप से पारस्परिक आधार पर समानता के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय समझौता प्राप्त करने के लिए भारत के साथ बातचीत शुरू करने के निर्णय की घोषणा की।

- **भूटान** – भूटान में प्रमाणन कार्यक्रम के विकास और स्थापना के लिए एपीडा की तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त करने की प्रारंभिक चर्चा की गई है। भूटान कृषि और खाद्य नियामक प्राधिकरण (बाफ़्रा) की मान्यता के प्रावधान को भी चर्चा के लिए लिया गया है।

प्रत्यायन गतिविधियाँ

एपीडा आईएसओ-17011 आवश्यकताओं का अनुपालन करते हुए राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के कार्यान्वयन के लिए सचिवालय के रूप में कार्य कर रहा है। एपीडा आईएएफ का भी सदस्य है और नियमित आधार पर आईएएफ को सभी मान्यता संबंधी गतिविधियों पर अपनी टिप्पणियां और मतदान प्रदान करता है। इस अवधि के दौरान प्रत्यायन संबंधी गतिविधियां निम्नलिखित हैं:

- एनपीओपी में उल्लिखित प्रत्यायन प्रक्रिया के अनुसार, राष्ट्रीय प्रत्यायन निकाय (एनएबी) द्वारा एक और प्रमाणन निकाय को मान्यता प्रदान की गई है, जिससे कुल 33 प्रमाणन निकाय बन गए हैं।

- 2 प्रमाणन निकायों को पुन: मान्यता दी गई है

- एनएबी द्वारा मध्य पूर्व, एनडब्ल्यू एशिया और पड़ोसी देशों के अलावा यूरोपीय संघ, अफ्रीका में विदेशी प्रमाणन के लिए प्रमाणन निकायों की मान्यता बढ़ा दी गई है।

ट्रेसनेट आनलाइन प्रणाली के माध्यम से एनपीओपी प्रक्रियाओं की निगरानी

एपीडा प्रमाणित जैविक उत्पादों के घरेलू अखंडता सत्यापन के उद्देश्य से एफएसएसएआई को वेब आधारित ट्रेसबिलिटी सिस्टम, ट्रेसनेट से कार्बनिक प्रोसेसर और व्यापारियों का डेटा प्रदान कर रहा है।

हेल्प डेस्क जैविक उत्पादों के सुचारू व्यापार के लिए आपरेटरों और प्रमाणन निकायों द्वारा रिपोर्ट किए गए परिचालन मुद्दों से संबंधित है।

उच्च जोखिम वाले उत्पादों के निर्यात के नमूने और विश्लेषण के विवरण को पकड़ने के लिए एकीकृत माड्यूल को ट्रेसनेट पर विकसित किया गया है। साथ ही लेन–देन प्रमाणपत्र (टीसी) जारी करने से पहले सिस्टम द्वारा प्रयोगशाला के विवरण कैप्चर किए जाते हैं।

पिछले तीन वर्षों के दौरान एनपीओपी के तहत जैविक उत्पादों का निर्यात निम्नानुसार है:

साल	मात्रा (एमटी)	मूल्य (मिलियन अमेरीकी डालर)
2019-20	638998	689
2020-21	888179	1040
2021-22	460320	772

13. जैविक और जीआई उत्पाद निर्यात संवर्धन

जैविक उत्पाद निर्यात प्रोत्साहन 2021-22

जैविक एक प्रीमियम उत्पाद खंड है जिसकी वैश्विक बाजार में अच्छी मांग है। भारत ने 2001 में जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीओपी) लागू किया है, जिसने वैश्विक बाजार की मांग को पूरा करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला में उत्पादन और प्रसंस्करण के मानकों को अपनाने के लिए जैविक हितधारकों को आशाजनक अवसर प्रदान किए हैं।

भारतीय जैविक उत्पादों ने वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बना है और नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए तैयार हैं। जैविक उत्पादों के सबसे प्रमुख निर्यात गंतव्य संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और कनाडा हैं। अन्य निर्यात स्थलों में ग्रेट ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, कोरिया गणराज्य, इज़राइल, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, मध्य पूर्व के देश और आसियान देश शामिल हैं।

पिछले कुछ वर्षों में एपीडा ने जैविक उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं जिसमें जैविक हितधारकों के लिए आउटरीच और संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित करना, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, आयात करने वाले देशों में एनपीओपी प्रमाणित जैविक उत्पादों के लिए बाजार संवर्धन, सम्मेलन आयोजित करना, प्रचार कार्यक्रम, प्रदशर्नियां शामिल हैं। बीएसएम, वेब आधारित ट्रेसबिलिटी सिस्टम ट्रेसनेट आदि का कार्यान्वयन।

एनपीओपी के तहत जैविक उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के लिए 2021-22 के दौरान निम्नलिखित प्रचार गतिविधियां शुरू की गईं।

क जैविक उत्पादों के लिए वर्चुअल नेटवर्किंग बैठक

- **मलेशिया**

  24 जनवरी 2022 को मलेशिया आयातकों के साथ एक वर्चुअल नेटवर्किंग बैठक का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का आयोजन एपीडा द्वारा भारतीय उच्चायोग, कुआलालंपुर, मलेशिया के सहयोग से किया गया था। मलेशिया एक्सटर्नल ट्रेड डेवलपमेंट कारपोरेशन (मैट्रेड), कुआलालंपुर सेलांगोर इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केएलएसआईसीसीआई), मलेशिया एसोसिएटेड इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमएआईसीसीआई), एसोसिएशन ऑफ इंडियन आर्गेनिक इंडस्ट्री (एआईओआई), प्रमुख आयातकों और खुदरा श्रृंखलाओं के प्रतिनिधि मलेशिया और भारत से जैविक उत्पादों के निर्यातकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

- **आस्ट्रेलिया**

  2 मार्च 2022 को आस्ट्रेलिया आयातकों के साथ एक वर्चुअल नेटवर्किंग बैठक का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का आयोजन एपीडा द्वारा भारतीय उच्चायोग, कैनबरा, आस्ट्रेलिया के सहयोग से किया गया था। इस आयोजन में आस्ट्रेलिया इंडिया बिजनेस काउंसिल लिमिटेड, एसोसिएशन ऑफ इंडियन आर्गेनिक इंडस्ट्री (एआईओआई), आस्ट्रेलिया के प्रमुख आयातकों और भारत से जैविक उत्पादों के निर्यातकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- **जापान**

  जैविक उत्पादों और वर्चुअल नेटवर्किंग बैठक पर भारत जापान वेबिनार 24 मार्च 2022 को भारत के दूतावास, टोक्यो, जापान के सहयोग से आयोजित किया गया था। जापान और भारत के व्यापार संघों, जापान खाद्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं, जापानी कंपनियों, जैविक उत्पादों के भारतीय निर्यातकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस आयोजन ने निर्यातकों और आयातकों के बीच बातचीत के लिए एक मंच प्रदान किया और निर्यात की सुविधा के लिए खरीदारों के विश्वास को मजबूत किया।

ख बायोफैक इंडिया 2021 में एपीडा की भागीदारी

एपीडा ने बायोफैक इंडिया 2021 में भाग लिया जो जैविक उत्पादों के लिए एक प्रमुख व्यापार मेला है। यह कार्यक्रम नूर्नबर्ग मेस्से इंडिया द्वारा 28 से 30 अक्टूबर, 2021 तक आई एमएल, ग्रेटर नोएडा में एपीडा के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह प्रदर्शनी जैविक और प्राकृतिक उत्पाद उद्योग के प्रमुख निर्यातकों को एक मंच पर लाने का अवसर है।

यह आयोजन 2 साल बाद आयोजित किया गया था और जैविक उद्योग को कोविड के बाद फिर से जोड़ने का अवसर प्रदान किया गया था।

ग जैविक उत्पादों पर वेबिनार

- **यूरोपीय संघ**

  28 जुलाई, 2021 को "जैविक बाजारों के लिए यूरोपीय संघ के बाजार का टैपिंग" विषय पर भारतीय दूतावास, ब्रुसेल्स और डेनमार्क के साथ संयुक्त रूप से एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। वेबिनार में लगभग 90 भारतीय निर्यातकों ने भाग लिया था।

- **कनाडा**

  14 अक्टूबर 2021 को "कनाडा को जैविक उत्पादों के निर्यात के अवसर" पर भारत टोरंटो के महावाणिज्य दूतावास के साथ संयुक्त रूप से एक वेबिनार सह बीएसएम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कैनेडियन ऑर्गेनिक ट्रेड एसोसिएशन, प्रमाणन निकायों, निर्यातकों और आयातकों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

जीआई उत्पाद निर्यात संवर्धन

एपीडा ने भारतीय कृषि उत्पादों के ब्रांड के लिए एक विशिष्ट बाजार बनाने के लिए जीआई-टैग कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पहल की है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विरासत, व्यंजनों और किस्मों के लिए जाना जाता है।

वर्तमान में, लगभग 130 जीआई टैग कृषि और खाद्य उत्पाद हैं, जिनमें से लगभग 100 पंजीकृत जीआई उत्पाद एपीडा अनुसूचित उत्पादों (अनाज, ताजे फल और सब्जियां, प्रसंस्कृत उत्पाद, आदि) की श्रेणी में हैं।

एपीडा ने काला नमक चावल, नागा मिर्चा, असम काजी नेमू, बैंगलोर रोज प्याज, आम की जीआई किस्मों, जीआई-टैग वाली शाही लीची, भालिया गेहूं, मदुरै मल्ली, बर्धमान मिहिदाना और सीताभोग, दहानू जैसे वज़हकुलम अनानास, मरयूर गुड़ आदि उत्पादों के लिए दुनिया भर के नए बाजारों में परीक्षण शिपमेंट की सुविधा प्रदान की।

2021 में जीआई उत्पादों के उल्लेखनीय शिपमेंट जैसे नागालैंड से यूके को नागा मिर्चा (किंग चिली), मणिपुर से यूनाइटेड किंगडम को ब्लैक राइस, यूनाइटेड किंगडम और इटली में असम नींबू, पश्चिम बंगाल से आम की तीन जीआई किस्में (फाजली, खिरसापति और लक्ष्मणभोग) और बिहार से जीआई किस्म आम (जरदालु) बहरीन और कतर के लिए निर्यात की गई।

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले से जायनगर मोआ मीठा व्यंजन पहली बार बहरीन को निर्यात किया गया। जीआई टैग उत्पाद के निर्यात को प्रोत्साहित करते हुए बिहार से जीआई टैग शाही लीची की पहली खेप मई 2021 में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से लंदन निर्यात की गई। वर्ष के दौरान आंध्र प्रदेश से दक्षिण कोरिया को जीआई टैग बनगनपल्ले आम का और जीआई टैग मलिहाबादी दशहरी आम की पहली खेप लखनऊ से यूनाइटेड किंगडम और यूएई को निर्यात की गई।

अन्य क्षेत्रों के जीआई उत्पादों में सांगली किशमिश, नागपुर संतरा, दहानु घोलवड़ चीकू, मराठवाड़ा केसर आम, महाराष्ट्र से जलगांव केला, ओडिशा से कंधमाल हल्दी और कर्नाटक से बैंगलोर गुलाब प्याज, इलाहाबाद सुरखा अमरूद, उत्तर प्रदेश से कालानामक चावल, तमिलनाडु से मदुरै मल्ली आदि शामिल हैं।

दोहा, कतर के विदेशी खुदरा विक्रेताओं के सहयोग से आयातक देशों में इन-स्टोर प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए गए। निर्यात बढ़ाने के लिए जीआई टैग नंजनगुड केले के नमूनों को कर्नाटक से लुलु ग्रुप, यूएई को भेजने में भी मदद की गई।

इन पहलों ने न केवल विश्व स्तर पर कृषि उत्पादों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की छवि को मजबूत किया बल्कि नए गंतव्यों सहित दुनिया भर में भारत की विरासत और विशिष्ट उत्पाद ब्रांडिंग को भी स्थापित किया।

14. गुणवत्ता विकास

1 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं

क एपीडा ने 234 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं को अधिकृत किया है जो अपने अनुसूचित उत्पादों के नमूने और विश्लेषण के लिए आईएसओ–17025 मान्यता प्राप्त हैं।

ख एपीडा ने एनआरएल के उन्नयन के लिए एनआरसी ग्रेप्स पुणे में राष्ट्रीय रेफरल प्रयोगशाला (एनआरएल) को सहायता प्रदान करना जारी रखा जिससे ताजे फल और सब्जियां और मूंगफली जैसे पौधों की उत्पत्ति के उत्पादों की निगरानी की जा सके।

ग निर्यातकों की विनिर्माण इकाइयों द्वारा स्थापित 20 इन हाउस गुणवत्ता नियंत्रण लैब और निर्यात प्रमाणन के लिए खाद्य उद्यागों के नमूने और विश्लेषण के लिए ग्यारह अधिकृत प्रयोगशालाओं को गुणवत्ता विकास की योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करके अपग्रेड किया गया।

2 एचएसीसीपी कार्यान्वयन और प्रमाणन एजेंसियां

- एचएसीसीपी, आईएसओ–22000, आईएसओ–9001, बीआरसी और जीएपी के लिए खाद्य विनिर्माण इकाइयों को कार्यान्वयन और प्रमाणन सेवाए प्रदान करने के लिए पांच कार्यान्वयन और पांच प्रमाणन एजेंसियों मान्यता दी गई है।

3 कीटनाशकों और एफ्लाटॉक्सिन की ऑनलाइन निगरानी

आयात करने वाले देश की आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित निर्यात प्रक्रियाओं को उन्नत किया गया है:

क अंगूर निर्यात की प्रक्रिया – कृषि रसायनों के अवशेषों के नियंत्रण के लिए ताजा टेबल अंगूर के निर्यात के लिए ग्रेपनोट

ख अनार निर्यात के लिए प्रक्रिया – अनार के निर्यात के लिए अनारनेट

ग मूंगफली और मूंगफली के उत्पादों के निर्यात के लिए प्रक्रिया – एफ्लाटाक्सिन के नियंत्रण के लिए पीनट.नेट

घ यूरोपीय संघ को ताजी हरी मिर्च के निर्यात की प्रक्रिया – कृषि रसायनों के अवशेषों की निगरानी

4 निर्यात मानकों का सामंजस्य

क एपीडा ने कोडेक्स मानकों पर चर्चा और अपनाने के लिए नवंबर 2021 में वर्चुअल रूप से आयोजित कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन के 44वें सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया।

ख मई 2021 में वर्चुअल रूप से आयोजित संदूषकों पर कोडेक्स समिति के 14वें सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया गया, जिसमें कोडेक्स स्तरों की स्थापना के लिए भारतीय निर्यातकों के हितों की रखा के लिए रेडी टू रेडी (आरटीई), मूंगफली, अनाज क्विनोआ आदि जैसे एजेंडा मदों पर डेटा और इनपुट प्रदान किए गए।

ग मई–जून 2021 में वर्चुअल रूप से आयोजित खाद्य आयात और निर्यात निरीक्षण और प्रमाणन प्रणालियों पर कोडेक्स समिति के 25वें सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया गया, जिसमें स्वैच्छिक तृतीय–पक्ष आश्वासन के मूल्यांकन और उपयोग के लिए सिद्धांतों और दिशानिर्देश, राष्ट्रीय खाद्य नियंत्रण प्रणालियों की समानता की मान्यता और रखरखाव और इलैक्ट्रॉनिक प्रमाणपत्रों के पेपरलेस उपयोग जैसे एजेंडा मदों पर डेटा, इनपुट प्रदान किए गए।

घ एपीडा ने जुलाई–अगस्त 2021 में वर्चुअल रूप से आयोजित कीटानाशक अवशेषों पर कोडेक्स समिति (सीसीपीआर) के 52वें सत्र में भारती प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें पौधों की उपत्ति के उत्पादों के लिए भारतीय निर्यात के हितों की रक्षा करने वाले कीटनाशकों की अधिकतम अवशेष सीमाओं का अपनाने और सामंजस्य बनाने पर इनपुट प्रदान किए गए।

5 अलर्ट की निगरानी, एमओएफपीआई समितियों में योगदान, जीएपी और खाद्य सुरक्षा मानक

क निर्यात अस्वीकृति और त्वरित अलर्ट को कम करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की सलाह देने के लिए नियंत्रण नमूनों के पुनर्विश्लेषण के लिए संबंधित हितधारकों जैसे प्रयोगशालाओं और एनआरएल के प्रसार सहित शिकायतों की निगरानी की गई।

ख भारत जीएपी के आरंभ होने से जीएपी प्रमाणन की लागत कम हो जाएगी, एपीडा ने अच्छी कृषि प्रक्रियाओं (जीएपी) नेशनल टैक्निकल वर्किंग ग्रुप के सदस्य के रूप में भारत जीएपी मानकों के विकास में योगदान दिया, जो कि अच्छी कृषि प्रथाओं पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह का सदस्य है।

ग खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना/उन्नयन के लिए एमओएफपीआई की तकनीकी संवीक्षा समितियों और परियोजना अनुमोदन समितियों को योगदान दिया। परिणामस्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों में कई वाणिज्यिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित/उन्नत की गई हैं।

6 क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण

क परीक्षण और प्रमाणन की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए एनआरएल के माध्यम से नमूनाकरण, विश्लेषण और ग्रेडिंग के हालिया तरीकों पर अधिकृत प्रयोगशालाओं के फील्ड सैम्पलर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया।

ख आयातक देश की आवश्यकताओं के आधार पर हितधारकों को हैंड होल्डिंग कार्यक्रम जैसे कि एसएफडीए द्वारा अनुरूपता प्रमाण पत्र और कृषि रसायनों और संदूषकों के एमआरएल, कीटनाशकों और एफ्लाटाक्सिन के अवशेषों के लिए एनआरएल के माध्यम से अधिकृत प्रयोगशालाओं को प्रवीणता परीक्षण प्रदान किया जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रयोगशालाएं अंतरराष्ट्रीय क्षमता आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।

ग ईयूआरएल के सहयोग से दिसंबर 2021 में एथिलीन ऑक्साइड और इसके मेटाबोलाइट अवशेषों पर भारतीय प्रयोगशालाओं को वर्चुअल प्रशिक्षण दिया गया। भारतीय प्रयोगशालओं के 100 से अधिक विश्लेषकों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, ईटीओ के विश्लेषणात्मक तरीकों को सुसंगत बनाने के लिए एनआरसीग्रेप पुणे में एपीडा एनआरएल द्वारा समन्वयित खाद्य उत्पादों में ईटीओ का दक्षता परीक्षण आयोजित किया गया था।

15 अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठकें और वर्चुअल व्यापार मेले

15.1 अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठकें (वीबीएसएम)

कोविड-19 के मद्देनजर महामारी की स्थिति को देखते हुए, वर्चुअल प्लेटफार्म पर निर्यात प्रोत्साहन गतिविधियों को जारी रखा गया था। एपीडा ने अपने अनुसूचित उत्पादों के प्रचार के लिए भारतीय मिशनों के सहयोग से निम्नलिखित वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित की:

क्रमांक	दिनांक	देश	उत्पाद	प्रतिभागियों की संख्या (लगभग)
1	22.04.2021	वियतनाम	सभी एपीडा उत्पाद	65
2	26.04.2021	नीदरलैंड	ताजे फल और सब्जियां	75
3	27.04.2021	ब्रुनेई	सभी एपीडा उत्पाद	35
4	28.04.2021	कंबोडिया	भैंस का मांस	35
5	20.05.2021	दक्षिण कोरिया	आम	45
6	25.05.2021	सूडान	सभी एपीडा उत्पाद	25
7	28.05.2021	जापान	आम	110
8	31.05.2021	खाडी देश	सभी एपीडा उत्पाद	50
9	11.06.2021	बहरीन	आम	35
10	14.06.2021	अंगोला	सभी एपीडा उत्पाद	75
11	15.06.2021	मिस्र	सभी एपीडा उत्पाद	120
12	23.06.2021	एलजीरिया	सभी एपीडा उत्पाद	80
13	01.07.2021	आस्ट्रेलिया	सभी एपीडा उत्पाद	100
14	07.07.2021	बांग्लादेश	सभी एपीडा उत्पाद	180
15	15.07.2021	मोरक्को	सभी एपीडा उत्पाद	40
16	27.07.2021	जार्डन	सभी एपीडा उत्पाद	85
17	11.08.2021	लाओस	सभी एपीडा उत्पाद	120
18	01.10.2021	टोगे	गैर बासमती चावल	35
19	08.10.2021	घाना	सभी एपीडा उत्पाद	69
20	13.10.2021	ईरान	सभी एपीडा उत्पाद	70
21	14.10.2021	कनाडा	जैविक उत्पाद	69
22	27.10.2021	वेनेजुएला	सभी एपीडा उत्पाद	25
23	17.12.2021	वियतनाम	सभी एपीडा उत्पाद	51
24	21.12.2021	ईरान	सभी एपीडा उत्पाद	64
25	07.02.2022	जापान	सभी एपीडा उत्पाद (तमिलनाडु)	65
26	22.02.2022	रशिया	सभी एपीडा उत्पाद (आईओपी पीसी के साथ)	75
27	16.03.2022	संयुक्त अरब अमीरात	सभी एपीडा उत्पाद (केरल)	90
28	22.03.2022	बहरीन	सभी एपीडा उत्पाद	105

16. एपीडा क्षेत्रीय कार्यालयों की गतिविधियां

16.1 अहमदाबाद

1. वीबीएसएम/वेबिनार

- गुजरात राज्य से गिर केसर आम और भालिया गेहूं के जीआई पंजीकरण पर उत्पादकों, एफपीओ, किसानों और निर्यातकों के लिए एपीडा, क्षेत्रीय कार्यालय गुजरात द्वारा वर्चुअल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जीआई रजिस्ट्री, चेन्नई के अधिकारियों द्वारा उत्पादकों, किसानों और एफपीओ के लिए जीआई पंजीकरण प्रक्रिया पर प्रशिक्षण दिया गया। बैठक में निर्यातक, राज्य सरकार के अधिकारी, एसएयू और अन्य हितधारक उपस्थित थे।
- जीरा और सबगोल (साइलियम) के लिए जोधपुर राजस्थान में 09/07/2021 को एक क्लस्टर स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया।
- एसकेएन कृषि विशवविद्यालय जोबनेर द्वारा दिनांक 01.09.2021 को आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम "स्टार्टअप इन एग्री एक्सपोर्ट्स" के लिए गुजरात के प्रतिभागियों को सुविधा प्रदान की।
- भारत से निर्यात बढ़ाने के लिए निर्यातकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए निर्जलित फलों और सब्जियों के निर्यातकों के साथ 02.11.2021 को एक बातचीत बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान 2021–22 से 2025–26 की अवधि के लिए एपीडा वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में भी बताया गया।
- अप्रैल में माननीय केंद्रीय मंत्री और माननीय राज्य मंत्री की अध्यक्षता गुजरात के निर्यातकों को भारत यूएई और भारत ऑस्ट्रेलिया: मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बारे में गुजरात के निर्यातकों को संवेदनशील बनाने के लिए राज्य सरकार के सहयोग वाणिज्य विभाग द्वारा अहमदाबाद में आयोजित आउटरीच कार्यक्रम के लिए अहमदाबाद और गांधीनगर से संबंधित निर्यातकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।

2. फ्लैग ऑफ

- गुजरात से लंदन के लिए ड्रैगन फ्रूट की पहली खेप के लिए फ्लैग ऑफ आयोजित किया गया।
- चावल की 5 पारंपरिक किस्मों अर्थात गुजरात 17 चावल (जीरासर/जीरा सांबा), सुरती कोलम चावल, अंबेमोहर चावल, काली मूच चावल और इंद्रायणी चावल आदि को गुजरात से यूके निर्यात किया गया।

3. अन्य गतिविधियां

- 21 सितंबर, 2021 को, क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद ने अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन, अहमदाबाद द्वारा "वणिज्य उत्सव – भारत उभरती हुईआर्थिक शक्ति का प्रदर्शन" के अन्तर्गत आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया।
- निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बेहतर अंतर्दष्टि और एक साथ काम करने के लिए राज्य स्तर के अधिकारियों (कृषि, बागवानी, राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठन आदि) के संबंध में प्रयास किए गए हैं और जानकारी एकत्र की गई है।
- 13/02/2022 को गुजरात और राजस्थान के आम, केला और अनार के एफपीओ/एफपीसी और सहकारी समितियों और किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

16.2 बेंगलुरु

- 25.05.2021 को जर्मनी को 10.20 मिलियन टन जैविक मूल्य वर्धित कटहल के निर्यात के लिए एक वर्चुअल फ्लैग ऑफ किया गया।
- एपीडा और कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएएस) बैंगलोर ने हितधारकों के लिए बेहतर मूल्य लाने के लिए कृषि और संबंधित क्षेत्र के हित में गतिविधियों को समन्वित करने के लिए मिलकर काम करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- 22.09.2021 को बंगलौर में एक "निर्यातक सम्मेलन सह प्रदर्शनी" का आयोजन किया। इस आयोजन के एक भाग के रूप में विभिन्न एजेंसियों / हितधारकों के लगभग 25 स्टाल लगाए गए लगभग 250 प्रतिभागियों के साथ निर्यातकों और एफपीओ के बीच बी2बी बैठकें हुईं।
- मेसर्स दि कैम्पको लिमिटेड, मंगलुरु द्वारा मंगलुरु बंदरगाह से मोनवोरिवा पोर्ट, लाइबेरिया तक द्वारा इंस्टेंट ड्रिंकिंग चाकलेट पाउडर के निर्यात के लिए वर्चुअल फ्लैग ऑफ आयोजन किया गया।
- एपीडा बैंगलोर कार्यालय ने नाबार्ड बैंगलोर क्षेत्रीय कार्यालय और भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद के सहयोग से एपीडा पंजीकृत निर्यातकों के साथ वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया और नाबार्ड ने "एपीडा के साथ एफपीओ का अभिसरण–" बाजरा एफपीओ के लिए निर्यात पर विशेष ध्यान देने के साथ बाजरा एफपीओ का बढ़ावा दिया।
- बौद्ध उद्यमी एसोसिएशन ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीईएसीआई) बैंगलोर चैप्टर के सदस्यों के साथ एक वर्चुअल संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, ताकि उनके सदस्यों को भूमिका, गतिविधियों और वित्तीय सहायता योजनाओं / विशेष योजनाओं और एससी / एसटी उद्यमियों को दी जाने वाली धनराशि के बारे में जागरूक किया जा सके।
- प्रोसेसर/व्यापारियों/निर्यातकों/काजू मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के सदस्यों के लाभ के लिए वर्चुअल संवेदीकरण कार्यक्रम प्रोग्राम का आयोजन किया गया।
- "एनपीओपी के तहत जैविक उत्पादों का प्रमाणन और निर्यात" पर एक वर्चुअल क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- एफपीओ के किसानों के लाभ के लिए कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर के सहयोग से "एफपीओ और किसानों के लिए निर्यात के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम" पर वाणिज्य सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया।
- एपीडा ने किसान उत्पादक संगठनों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, यूएचएस, जीकेवीके, बैंगलोर के साथ संयुक्त रूप से "निर्यात व्यवसाय के लिए एफपीओ को सक्षम करना" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- एपीडा बैंगलोर क्षेत्रीय कार्यालय, किसान उत्पादक संगठनों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, यूएचएस, जीकेवीके, बैंगलोर के समन्वय में संयुक्त रूप से एक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- जीएपी पर एफपीओ/किसानों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम और बैंगलूरू गुलाब प्याज क्लस्टर जिलों के लिए कृषि पद्धतियों का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया गया था।

16.3 **भोपाल**

विवरण	दिनांक	कार्यक्रमों की संख्या
1 रिफाइंड गेहूं का आटा (मैदा) हरदा से दुबई के लिए निर्यात किया गया।	01/04/2021	3
2 छत्तीसगढ़ के काठघोरा से फ्रांस के लिए निर्जलित महुआ फूलों को निर्यात किया गया	11/08/2021	
3 छिंदवाड़ा संतरा क्लस्टर से बांग्लादेश के लिए संतरा निर्यात किया गया।	18/11/2021	
संतरे के लिए पाधुरना में क्रेता-विक्रेता बैठक	17/11/2021	1
क्लस्टर सक्रियण कार्यक्रम 1. संतरा-आगर, छिंदवाड़ा, शाजापुर	25/06/2021 21/04/2021 16/06/2021	8
2. आलू- इंदौर, ग्वालियर	12/07/2021 28/07/2021	
3. प्याज- सागर, दमोह	14/07/2021 29/06/2021	
4. केला- बुरहानपुर	25/06/2021	
क्लस्टर कार्य योजना कार्यक्रम 1. संतरा- छिंदवाड़ा	02/07/2021	1
प्रत्यक्ष क्षमता निर्माण कार्यक्रम 1. छिंदवाड़ा- संतरा 2. नरसिंहपुर- गुड़ 3. भोपाल- कृषि-स्टार्टअप 4. जबलपुर- एफपीओ 5. बेमेतरा- एफपीओ 6. रीवा- चावल 7. भोपाल- स्वयं सहायता समूह, महिला उद्यमी 8. बिलासपुर- जनजातीय उत्पाद	09/08/2021 10/08/2021 12/08/2021 26/09/2021 26/09/2021 27/08/2021 13/08/2021 21/03/2022	8
वर्चुअल क्षमता निर्माण कार्यक्रम 1. नाबार्ड-एफपीओ छत्तीसगढ़ 2. नाबार्ड- मध्य प्रदेश में एफपीओ 3. इफको-एफपीओ 4. उज्जैन-पोहा 5. झाबुआ- कड़कनाथ	10/06/2021 17/06/2021 06/06/2021 09/09/2021 09/07/2021	5
जेएनवीवी के साथ समझौता ज्ञापन	13/12/2021	
से संबद्ध प्रचार गतिविधियाँ 1. ट्राइफेड -2 2. एएसए एनजीओ -2 3. आ एस डी एनजीओ -3 4. ईसीजीसी -3 5. एमएसएम -2 6. केवीके-मंडला, डिंडोरी -2 7. राज्य बागवानी विभाग -6		20
संतरा फील्ड सर्वे	07/07/2021	1

राज्य के अधिकारियों के साथ बैठक		54
निरीक्षण पूर्व निरीक्षण, संयुक्त निरीक्षण, अंतिम निरीक्षण		26
निर्यात जागरूकता कार्यक्रम 1. एफपीओ-6 2. निर्यातकों-4 3. लोजिस्टिक्स मुद्दे-2		12
प्रधान कार्यालय द्वारा निर्देशित गई विशेष गतिविधियाँ जैसे पीएम मनकीबत, निर्यात लक्ष्य 400 बिलियन, योग दिवस आदि।		6

16.4 चंडीगढ़

क्षमता निर्माण कार्यक्रमः-

- कपूरथला (पंजाब) में आईसीएआर के माध्यम से सब्जी आधारित निर्यात उन्मुख कृषि आपूर्ति श्रृंखला के लिए एफपीओ और किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- एपीडा पंजाब द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष में 26 सितंबर 2021 को केवीके शिकोहपुर, गुरुग्राम, हरियाणा में आईसीएआर के माध्यम से बाजरा आधारित खाद्य उत्पादों और उनकी निर्यात क्षमता पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- केवीके एसएएस नगर, मोहाली में आईसीएआर के माध्यम से "सब्जियां उत्पादन और प्रसंस्करण" पर एफपीओ, किसानों और अन्य हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- केवीके जालंधर में आईसीएआर के माध्यम से "आलू की निर्यात क्षमता" पर किसानों और अन्य हितधारकों के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 13 फरवरी 2022 को एपीडा के 36वें स्थापना दिवस के अवसर पर एफपीओ/किसानों और निर्यातकों के साथ क्षमता निर्माण कार्यक्रम और व्यापार बैठक का आयोजन किया गया।
- शिखोपुर केवीके गुरुग्राम हरियाणा में किसानों के एफपीओ/एफपीसी के लिए प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

निर्यात संवर्धन कार्यक्रमः-

- पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्य के नए पंजीकृत निर्यातकों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में स्थित प्रसंस्कृत खाद्य निर्यातकों के साथ बैठक आयोजित की गई।
- निर्यातक का दर्जा प्राप्त करने के लिए पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के एफपीओ के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- पंजाब और हरियाणा से चावल के एफपीओ के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- पंजाब और हरियाणा के डेयरी उत्पादों के एफपीओ के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- कृषि आधारित उद्योग (निवेश पंजाब के साथ पंजीकृत) के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- हिमाचल प्रदेश में ''वणिज्य उत्सव'' आयोजित करने के लिए पीएचडी चैंबर आफ कामर्स, डीजीएफटी, और हिमाचल प्रदेश के उद्योग विभाग के साथ समन्वय किया गया।
- 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए नई वित्तीय योजना का विवरण साझा करने के लिए पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के निर्यातकों के साथ बैठक आयोजित की गई।

क्लस्टर विकास कार्यक्रमः-

- एपीडा चंडीगढ़ ने पंजाब के जालंधर, होशियारपुर, कपूरथला और नवाशहर जिले के आलू क्लस्टर के हितधारकों के साथ बैठक की।
- 27 मई 2021 को पंजाब के जालंधर, होशियारपुर, कपूरथला और नवाशहर जिलों से आलू क्लस्टर के प्रमुख किसानों और निर्यातकों के एफपीओ के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 11 नवंबर, 2021 को जालंधर में आलू की निर्यात क्षमता पर पंजाब के जालंधर, होशियारपुर, कपूरथला और नवाशहर जिलों के एफपीओ, किसानों और आलू क्लस्टर के निर्यातकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम / कार्यशाला का आयोजन किया।
- 28 जुलाई 2021 को बागवानी उत्पाद निर्यातक संघ (एचपीईए), मुंबई के साथ आलू किसानों/एफपीओ/पंजाब के निर्यातकों की एक हाथ से बैठक का आयोजन किया।

क्रेता-विक्रेता बैठक:-

- कोलकाता एपीडा के सहयोग से पंजाब से किन्नू (मंदारिन) के निर्यात के लिए पूर्वी क्षेत्र के निर्यातकों के साथ क्रेता-विक्रेता बैठक (बीएसएम) का आयोजन किया।
- भारत से कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, एपीडा ने आईओपीईपीसी के साथ वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक (वीबीएसएम) का आयोजन किया।
- पंजाब एपीडा ने मुंबई कार्यालय के सहयोग से 4 फरवरी 2022 को किन्नू (पंजाब से मैंडरिन संतरे की उच्च उपज संकर किस्म) मोरिगा, शहद और हिमाचल लहसुन की आपूर्ति के लिए पंजाब एग्री एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन (पैग्रेक्सको) और पश्चिमी क्षेत्र के निर्यातकों के साथ वर्चुअल क्रेता-विक्रेता का बैठक आयोजन किया गया।

अन्य गतिविधियां :-

- नाबार्ड द्वारा आयोजित हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, धर्मशाला, बिलासपुर और ऊना जिलों से किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए क्षेत्रीय समीक्षा कार्यशाला में भाग लिया।
- पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित अमृतसर में "एक्सपोर्टर्स कान्क्लेव" एक्सपोर्ट विजन पंजाब में भाग लिया।
- 10 फरवरी से 2 मार्च 2022 तक 'किसानों और बेरोजगार युवाओं की आजीविका सुरक्षा के लिए व्यावसायिक मधुमक्खी पालन' विषय पर कीट विज्ञान विभाग, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईसीएआर के शीतकालीन स्कूल कार्यक्रम के अन्तर्गत भाग लिया।

16.5 चेन्नई

तमिलनाडु के निर्यात प्रदर्शन की तुलना

- राज्य से निर्यात (पुडुचेरी सहित) वर्ष 2019-20 की तुलना में 2020-21 के दौरान 14.9% की वृद्धि और 2020-21 की तुलना में 2021-22 के दौरान 8.7% की वृद्धि हुई है।

आउटरीच/सुग्राहीकरण/जागरूकता/प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/जीआई संवर्धन कार्यक्रम

- क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई का गठन फरवरी 2021 में होने के बाद से किसान, एफपीओ और निर्यातकों के लिए 67 निर्यात उन्मुख आउटरीच कार्यक्रम, आयोजित किए गए, कुछ कार्यक्रम अन्य हितधारकों जैसे डीजीएफटी, एनएचबी, एफआईईओ, निफ्टेम, टीएनएयू, नाबार्ड, नेफेड, चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, टीएनएसएएमबी, राज्य सरकार विभाग इत्यादि द्वारा आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर, वायनाड, मदुरिया, तिरुपुर, पोल्लाची, नमक्कल, इरोड, सलेम, तंजावुर, डिंडीगुल, नागपट्टिनम, तूतीकोरिन, कोडाइकनाल, कोयंबटूर, त्रिची, थेनी, तिरुनेलवेली, तिरुवल्लूर, इरोड, करूर,आदि जिलों को कवर किया गया।

उत्पाद संवर्धन/फ्लैग ऑफ कार्यक्रम

- तुमिलनाडु में 26 फरवरी 2022 को वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया के लिए मोरिंगा के 7 अद्वितीय मूल्य वर्धित उत्पादों के 6 मीट्रिक टन और घाना के लिए 4 मीट्रिक टन वैक्यूम फ्रीज सूखे जातीय गैस-बासमती चावल के लिए फ्लैग ऑफ समारोह का आयोजन किया गया।

- एपीडा चेन्नई कार्यालय ने 29 मई 2021 को वर्चुअल फ्लैग ऑफ के द्वारा यमन और घाना के लिए 'विलेज राइस' (तमिलनाडु के थंजावुर के किसानों से सीधे प्राप्त चावल के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध हाई फाइबर और हाई प्रोटीन फाइबर और खनिजों के समृद्ध किस्म 'विलेज राइज') की दो शिपमेंट (3.5 एमटी) भेजी।

- 6 जुलाई 2022 को मदुरै मल्ली और पारंपरिक फूलों की 1.5 मीट्रिक टन संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए और मदुरै मल्ली और पारंपरिक फूलों की 2 मीट्रिक टन दुबई (शारजाह) के लिए दो शिपमेंट का फ्लैग ऑफ किया गया।

- एपीडा चेन्नई कार्यालय ने तमिलनाडु के तेनकासी जिले से 15.07.2022 जर्मनी को प्रमाणित जैविक इंसुलिन पाउडर, प्रमाणित जैविक नीम पाउडर, अमरूद की पत्ती, आम की पत्ती और पपीते की पत्ती के पाउडर के पौधे प्रमाणित जैविक मोरिंगा लीफ, प्रमाणित जैविक करी पत्ता, प्रमाणित जैविक कोल्ड प्रेस्ड नारियल तेल, प्रमाणित जैविक कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल, जैविक तुलसी पाउडर, भारतीय बोरेज, प्रमाणित जैविक आंवला पाउडर आदि की 3 मीट्रिक टन हर्बल और मेडिसनल प्लांट की शिपमेंट भेजी।

कृषि निर्यात नीति

- समीक्षाधीन अवधि के दौरान त्रिची, थैनी और पोल्लाची जिलों में केले क्लस्ट बैठकें और नमक्कल इरोड और सलैम जिलों में पॉल्ट्री उत्पाद क्लस्टर बैठकें हितधारकों के साथ आयोजित की गई।

आजादी का अमृत महोत्सव

- **वाणिज्य सप्ताह:** भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में 22.09.2021 को तमिलनाडु में राज्य निर्यात सम्मेलन सह प्रदर्शनी में एपीडा की भागीदारी का आयोजन किया गया, साथ ही हाइब्रिड मोड पर वाणिज्य सप्ताह के रूप में जिलेवार किसान जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

- ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के अन्तर्गत तमिलनाडु के हितधारकों के लिए **कृषि निर्यातक सम्मेलन** आयोजित किया गया। सम्मेलन में केंद्र/राज्य सरकार की एजेंसियों, निर्यातकों, संघों, एफपीओ के हितधारकों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- **क्रेता–विक्रेता बैठक:** भारत की आजादी के 75वें ''आजादी का अमृत महोत्सव'' और भारत–जापान राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई ने 07/02/2022 को ''तमिलनाडु और इसके संभावित कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की खोज'' पर भारत–जापान वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार मुख्य रूप से तमिलनाडु से संभावित उत्पादों जैसे मोरिंगा और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों, लाल केला मूल्य वर्धित उत्पादों, बाजरा और बाजरा मूल्य वर्धित उत्पादों, हर्बल और औषधीय पौधों, आम और आम के मूल्य वर्धित उत्पादों, अमरूद, अनार, आंवला, नीबू आदि को बढ़ावा देने और जापान को निर्यात किए जाने हेतु किया गया। वेबिनार में 80 से अधिक हितधारकों की भागीदारी रही। जापान में खरीदारों ने कृषि खाद्य उत्पादों के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई।

एफपीओ बैठक

- तमिलनाडु में 11 एफपीओ को निर्यातकों के रूप में अभिसरण किया गया है, जिनमें से 7 वर्ष 2021–22 के दौरान बैठक की गई।

लाल केले का ट्रायल शिपमेंट

- 16.03.2022 को एपीडा और नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर केले (एनआरसीबी) त्रिची के सहयोग से, 1 मीट्रिक टन लाल केले की वाणिज्यिक परीक्षण हवाई शिपमेंट तमिलनाडु बनाना प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा आस्ट्रिया (ईयू) को भेजी गई।

- एरासक्कनाइकनूर के थेनी जिले के चयनित लाल केले के बाग से लिए गए केलों को एग्री मार्किट चिन्नमन्नूर और कृषि व्यापार परिसर में एपीडा द्वारा मान्यता प्राप्त पैकहाउस में पैक किए गए। यह तमिलनाडु से लाल केले की पहली शिपमेंट आस्ट्रिया निर्यात की गई। वाणिज्यिक नमूना शिपमेंट ऑस्ट्रिया और पश्चिमी जर्मनी के उपभोक्ताओं के लिए तमिलनाडु भारत की देशी केले की किस्मों को परिचित करने के लिए बड़े सुपरमार्केट चेन स्टोर द्वारा प्रदर्शित किया गया।

16.6 गुवाहाटी

एनईईआर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक (आईबीएसएम)

गुवाहाटी, असम में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता–विक्रेता बैठक

एपीडा गुवाहाटी, असम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय क्रेता–विक्रेता बैठक में श्रीलंका, दुबई, बांग्लादेश, ओमान, नीदरलैंड, सिंगापुर और ग्रीस के आयातकों ने एनईआर और अन्य राज्यों के निर्यातकों के साथ भाग लिया। राज्य भर के प्रदर्शकों ने कृषि–बागवानी उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की। कार्यक्रम के दौरान कृषि निर्यात विकास के लिए असम कृषि विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान हुआ।

डिब्रूगढ़, असम में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता–विक्रेता बैठक

24–25 मार्च 2022 तक उद्योग और वाणिज्य विभाग असम सरकार के सहयोग से डिब्रूगढ़, असम में सम्मेलन सह अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक आयोजित की गई। इस आयोजन में देश भर के निर्यातकों और बांग्लादेश, नेपाल के आयातकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दूसरे दिन एफपीओ, एफपीसी और निर्यातकों के लिए एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके बाद खरीदारों के लिए क्षेत्र का दौरा किया गया।

शिलांग, मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता–विक्रेता बैठक

एपीडा ने 29 मार्च 2022 को शिलांग, मेघालय में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रेता–विक्रेता बैठक का आयोजन किया। इस आयोजन में भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, सिंगापुर, ग्रीस और नेपाल के 25 से अधिक खरीदारों ने भाग लिया। इस आयोजन में एफपीओ/एफपीसी, उद्यमियों और सरकारी एजेंसियों द्वारा विभिन्न कृषि–बागवानी उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। विशिष्ठ क्रेता–विक्रेता बैठक ने मेघालय के उत्पादकों और प्रसंस्करणकर्ताओं को वैश्विक और घरेलू खरीदारों के साथ–साथ थोक और खुदरा बिक्री को बढ़ावा देने के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

पूर्वोत्तर गुवाहाटी असम से संभावित उत्पाद निर्यात

एपीडा ने बांगलादेश और भूटान देश पर आधारित 09.12.2021 से 31.01.2022 तक गुवाहाटी असम में पूर्वोत्तर क्षेत्र से संभावित उत्पाद निर्यात कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पहली बार निर्यात किए गए एनईआर के अनूठे उत्पादों का फ्लैग ऑफ

- एपीडा ने मई 2021 में त्रिपुरा से लंदन के लिए 1.2 मीट्रिक टन ताजे कटहल की पहली खेप की सुविधा प्रदान की।
- 16 जुलाई 2021 को त्रिपुरा से जर्मनी के लिए 1 मीट्रिक टन कटहल की पहली खेप भेजी गई।
- 26 जून 2021 को असम से दुबई के लिए लेटेकू (बमह्व अंगूर) की पहली खेप भेजी गई।
- 28 जुलाई 2021 को नागालैंड से लंदन के लिए 206 किलोग्राम ताजी 'राजा मिर्चा'/राजा मिर्च की पहली खेप भेजी गई।

एनईआर से जीआई उत्पादों का प्रचार

- असम से संयुक्त राज्य अमेरिका को लौह समृद्ध लाल चावल के निर्यात की सुविधा।
- त्रिपुरा से दुबई तक क्वीन पाइनएप्पल के निर्यात की सुविधा।
- असम नींबू को यूके निर्यात की सुविधा।

क्षमता निर्माण/कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित

- एपीडा ने फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन (एफआईईओ) और सिक्किम सरकार के सहयोग से 8.04.21 को

गंगटोक, सिक्किम में और 12.04.2021 को अगरतला, त्रिपुरा में निर्यात जागरूकता पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

- दीमापुर, नागालैंड में 6.09.2021, काबह्व आंगलोंग, असम में 07.09.2021 और धुबरी, असम में 13.09.2021 को एपीडा की कृषि निर्यात और वित्तीय सहायता योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- डीआईसीसी के सहयोग से, फेक जिला, नागालैंड ने 03.12.2021 को कृषि निर्यात और एपीडा की वित्तीय सहायता योजना पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 09.12.2021 को अगरतला और त्रिपुरा में 9.02.2022 को ''संभावित उत्तर पूर्व: कृषि निर्यात पर आउटरीच कार्यक्रम'' का आयोजन किया।
- एपीडा ने डीजीएफटी और फिक्की के साथ संयुक्त रूप से 23.12.2021 को बक्सा, असम में एक निर्यात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 20.01.2022 को इम्फाल, मणिपुर में एपीडा और फियो द्वारा क्षमता निर्माण और निर्यात जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 21.02.2022 को कृषि विभाग, बीटीसी के सहयोग से उदलगुरी जिले, असम में एपीडा की कृषि निर्यात और वित्तीय सहायता योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- एपीडा ने आईसीसी के सहयोग से 03.03.2022 को दीमापुर, नागालैंड में उत्तर पूर्व से जैविक खाद्य उत्पादों के निर्यात संवर्धन और विकास का आयोजन किया।

खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण

एपीडा द्वारा 15 से 19 नवंबर 2021 तक दीमापुर, नागालैंड और 14 से 18 मार्च 2022 तक अगरतला, त्रिपुरा में सीएफटीआरआई के सहयोग खाद्य प्रसंस्करण और फलों और सब्जियों के मूल्य संवर्धन पर पांच दिवसीय ''हैंड्स ऑन ट्रेनिंग'' आयोजित की गई।

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) के सहयोग से दिसम्बर 2021 में इंफाल, मणिपुर और मेघालय में गुवाहाटी, असम में खाद्य प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राज्य के अधिकारियों और निर्यातकों के लिए महाराष्ट्र का एक्सपोजर दौरा

क्षेत्रीय कार्यालय मुम्बई के सहयोग से 6–9 दिसम्बर 2021 तक त्रिपुरा के राज्य सरकार अधिकारी और निर्यातकों के लिए महाराष्ट्र दौरे की सुविधा प्रदान की गई। सब्जी प्रसंस्करण सुविधा (वीपीएफ), वाष्प ताप उपचार सुविधा (वीएचटी), विकिरण सुविधा, सह्याद्री किसान उत्पादक कंपनी–नासिक, टमाटर प्रसंस्करण सुविधा, आईक्यूएफ सुविधा और खराब होने वाले कार्गो केंद्र (सीपीसी)–मुंबई के लिए एमएसएएमबी संचालित पैक हाउस की दौरे की व्यवस्था की गई।

21 से 22 सितंबर तक 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत समारोह

आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में 21–22 सितंबर, 2021 को दीमापुर, नागालैंड में 'वणिज्य महोत्सव' का आयोजन किया।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किए गए

- एपीडा द्वारा 5.05.2021 को अनानास पर वर्चुअल क्रेता–विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया था।
- राष्ट्रीय पौधे संरक्षण संगठन (एनपीपीओ) के साथ पादप संगरोध आवश्यकताओं, फाइटो सैनिटरी प्रमाणन से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम 25.05.2021 को आयोजित किया गया था।
- 02.06.2021 को असम कृषि विश्वविद्यालय के संकाय विशेषज्ञ के साथ निर्यात हेतु अनानास पर फसल कटाई के बाद प्रबंधन प्रक्रिया पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- एपीडा और डीजीएफटी ने 7.06.2021 को नए निर्यातकों, एफपीओ, एफपीसी के लिए वर्चुअल निर्यात जागरूकता सत्र का

आयोजन किया गया।

- एपीडा ने 14.06.2021 को असम के राज्य कृषि, बागबानी अधिकारियों के साथ निर्यातकों का एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।
- 23.06.2021 को असम के राज्य कृषि/बागबानी अधिकारियों के लिए कृषि निर्यात पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 15.06.2021 को नाबार्ड के सहयोग से चयनित एफपीओ/एफपीसी का विशेष वर्चुअल संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।
- दिनांक 1.07.2021 को असम के मनकाचर जिले के सलमारा के काजू उत्पादकों/संसाधकों के साथ ऑनलाइन संवादात्मक बैठक का आयोजन किया गया।
- कृषि निर्यात और संचार कौशल पर एपीडा द्वारा 13.07.2021 को बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र यानी असम के बख्सा, चिरांग, कोकराझार और उदलगुरी जिलों के एसटी समुदायों के लिए वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 18.8.2021 को एनईआर से स्टार्टअप्स के लिए कृषि निर्यात पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- एनईआर से पोर्क और पोर्क उत्पादों के निर्यात पर जागरूकता कार्यक्रम 25.08.2021 को आयोजित किया गया।
- एपीडा ने यूनिवर्सिटी ऑफ सांइस एण्ड टैक्नोलॉजी मेघालय (यूएसटीएम), मेघालय के सहयोग से 5.10.2021 को वर्चुअल माध्यम से कृषि निर्यात में स्टार्टअप के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 28.10.2021 को पूर्वोत्तर क्षेत्र के निर्यातकों के लिए एपीडा की नई वित्तीय सहायता योजनाओं पर सुग्राही कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 02.12.2021 को एनईआर से राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए एपीडा की वित्तीय सहायता योजना पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- एपीडा द्वारा असम कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत नार्थ ईस्ट एग्रीकल्चर टेक्नोलाजी एंटरप्रेन्योर हब (नीट हब) के सहयोग से 21.01.2021 को कृषि निर्यात में स्टार्टअप्स के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 24 जनवरी 2022 को कृषि स्टार्टअप और नए निर्यातकों के लिए खाद्य इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय के साथ निर्यात पर संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- एपीडा और केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कोकराझार, असम ने 02.02.2022 को कृषि निर्यात पर संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- एपीडा गुवाहाटी कार्यालय ने 8 मार्च 2022 को कार्यालय के सम्मेलन हाल में "जेंडर इक्वेलिटी टुडे फार ए सस्टेनेबल टुमारो" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

16.7 हैदराबाद

- 27 अप्रैल 2021 को तेलंगाना सरकार के बागवानी विभाग के सहयोग से 'आज़ादी का अमृत महोत्सव" का आयोजन आमों पर वर्चुअल बीएसएम का आयोजन करने के लिए किया गया।
- एपीडा हैदराबाद कार्यालय ने 'वणिज्य सप्ताह' के दौरान 24 सितंबर 2021 को विशाखापटनम, आंध्र प्रदेश में एक्सपोर्टर्स संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य "एक्सपोर्टर्स कान्क्लेव" के रूप में "एक्सपोर्टर्स को फिर से जीवंत करना" था। इस कान्क्लेव का उद्देश्य आंध्र प्रदेश से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की निर्यात संभावनाओं को बढ़ावा देना है।
- बाजरा और बाजरा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद में एपीडा और भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद द्वारा वर्ष 2021-22 के दौरान निम्नलिखित कार्यशालाओं/संवेदीकरण कार्यक्रम/ बैठकों में भाग/ आयोजन किया गया।

- एपीडा हैदराबाद कार्यालय ने 24 जून 2021 को बागवानी विभाग आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों के लिए वैश्विक जीएपी मानकों के कार्यान्वयन और आंध्र प्रदेश के अनार, केला और आम के क्लस्टर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निर्यात बाजार में एफएसएमएस के महत्व के संबंध में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया है।
- 22 जुलाई 2021 को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कृषि खाद्य उद्यमियों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 27-28 सितंबर, 2021 के दौरान हैदराबाद में भाकृअनुप-आईआईएमआर द्वारा आयोजित न्यूट्री-अनाज बहु-हितधारक मेगा कन्वेंशन 3.ओ में भाग लिया।
- 22 अक्टूबर 2021 को नेशनल रिसर्च सेंटर ऑफ मीट, हैदराबाद द्वारा आयोजित ''मीट ट्रेसबिलिटी एंड रिकाल: फ्राम कान्सेप्ट टू प्रैक्टिस" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डीजीएफटी, हैदराबाद के साथ संयुक्त रूप से आयोजित एपीडा हैदराबाद कार्यालय ने 9 नवंबर 2021 को एफटीएपीसीसीआई, हैदराबाद में निर्यातकों के साथ एक संवादात्मक बैठक का आयोजन किया।
- विभिन्न देशों को ताजे फल और सब्जियों के निर्यात के लिए निर्यात प्रक्रिया पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के लिए 13 फरवरी 2022 को वर्चुअल क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कृषि निर्यात नीति का कार्यान्वयन (आन्ध्र प्रदेश)

- 15 जून 2021 को कृषि निर्यात नीति (अनार, केला और आम) के अन्तर्गत क्लस्टर गतिविधियों के रूप में क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद ने अनार, केला और आम के लिए मौसम की गतिविधियों को तैयार करने के लिए क्षेत्र स्तर के स्दिकारियों और बागवानी विभाग, आंध्र प्रदेश में वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।
- दक्षिण कोरिया को निर्यात के लिए आमों के स्रोत के लिए एईपी के अनुसार पहचाने गए आम क्लस्टर में मैंगो नेट के अन्तर्गत एपीडा के पंजीकृत किसानों के साथ इफको किसान एसईजेड की शुरुआत की गई है। आम की पहली खेप कोरिया में उनके आयातक को सफलतापूर्वक भेज दी गई है और उन्हें मंजूरी मिल गई है। अब तक उन्होंने दक्षिण कोरिया को लगभग 10 मीट्रिक टन आम का निर्यात किया गया।

16.8 जम्मू, श्रीनगर और लद्दाख

- केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से केसर, अखरोट और अन्य उत्पादों जैसे उत्पादों के लिए जैविक प्रमाणीकरण गतिविधियों के अभिसरण के लिए क्षेत्र को सक्षम करने के लिए अपने संबंधित बीज प्रमाणन विंग को जैविक प्रमाणन निकायों के रूप में अधिसूचित करने के लिए सुविधा प्रदान की गई।
- जुलाई 2021 के दौरान मिश्री किस्म के कश्मीर घाटी चेरी के मध्य पूवह्न गंतव्य के लिए पहली बार समन्वित शिपमेंट कश्मीर चेरी के विदेशी बाजार के लिए बाजार बना रहा है।
- एनपीओपी और आईएसओ-17056 अनुपालन आवश्यकताओं पर श्रीनगर में 14-15 जुलाई 2021 को श्रीनगर में जम्मू और कश्मीर क्षेत्र के अधिकारियों के लिए जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश द्वारा अधिसूचित जैविक प्रमाणन निकायों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- एपीडा अध्यक्ष के नेतृत्व में 17-20 जुलाई 2021 तक केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के दौरे का आयोजन किया गया, लद्दाख क्षेत्र से निर्यात क्षमता की खोज के लिए उद्योग एवं वणिज्य विभाग के सचिव, कृषि विभाग के सचिव, लद्दाख, एसकेएयूएसटी लद्दाख, डीआईएचएआर - लेह उद्यमियों और अन्य हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की गई।
- 30/08/2021 को लुलु ग्रुप दुबई को लद्दाख खुबानी के पहली बार शिपमेंट की सुविधा नए क्षेत्र से नए बाजार में नए उत्पाद के रूप में भेजी गई
- 20-22 सितंबर 2021 को लेह में वणिज्य सप्ताह में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा, माननीय उपराज्य पाल लद्दाख और माननीय सांसद लद्दाख ने किया। 400 से अधिक प्रतिभागियों ने केंद्रीय और केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन, किसानों, स्टार्टअप कंपनियों, सहकारी समितियों, एफपीओ, एफपीसी, निर्यातकों और सेवा प्रदाताओं को कवर करते हुए भाग लिया। एपीडा ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में की गई गतिविधियों को प्रस्तुत किया।
- जम्मू और कश्मीर में वणिज्य सप्ताह के तहत 23/09/2021 को एस के यूएएसटी श्रीनगर में किसानों, सहकारी समितियों, स्टार्ट-अप, के.वी.के. के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 390 प्रतिभागियों ने भाग लिया इसके अलावा, जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के सभी केवीके के 300 प्रतिभागियों ने कुल 690 प्रतिभागियों ने भाग लिया। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में की गई गतिविधियों को प्रस्तुत किया गया।

16.9 कोच्चि

एपीडा क्षेत्र कार्यालय, कोच्चि की गतिविधियां, 2021-22

केरल, भारत के दक्षिण-पश्चिमी छोर में समृद्ध प्राकृतिक सुंदरता वाला एक तटीय राज्य रणनीतिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार गलियारे पर स्थित है। राज्य से कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए संभावित कृषि उत्पादों की पहचान करने के लिए, एपीडा ने मई 2021 में कोच्चि में क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना की गई। क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना के बाद, एपीडा ने सभी हितधारकों के साथ समन्वय किया और कृषि विकास और किसान कल्याण विभाग (केरल), केरल सरकार, केरल राज्य योजना बोर्ड, केरल कृषि विश्वविद्यालय (केएयू), राष्ट्रीय बैंक कृषि और ग्रामीण विकास (नाबार्ड), लघु किसान कृषि व्यवसाय संघ (एसएफएसी), केंद्रीय भंडारण निगम, केरल राज्य औद्योगिक उद्यम लिमिटेड (केएसआईई), वेजिटेबल एण्ड फ्रूट प्रमोशन कॉउंसिल केरलम (वीएफपीसीके) आदि से कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए कार्य योजना विकसित करने के लिए बैठक आयोजित की। परिणामस्वरूप, एपीडा ने कृषि विकास और किसान कल्याण विभाग (केरल), केरल सरकार के सहयोग से केरल के सभी 14 जिलों में प्रत्येक जिले की क्षमता की पहचान करने और इस तरह प्रत्येक जिले से कृषि निर्यात में वृद्धि करने के लिए हितधारकों के साथ संबंधित जिलों से एफपीओ / एफपीसी /किसानों/ निर्यातकों को आमंत्रित करके 'निर्यात संवर्धन अभियान' शुरू किया। निर्यात संवर्धन अभियान का उद्घाटन केरल के माननीय कृषि मंत्री द्वारा 5 जनवरी 2022 को राजधानी तिरुवनंतपुरम, केरल में किया गया था। इसके अलावा, एपीडा निर्यात संवर्धन अभियान के अनुसरण ने केरल से कृषि निर्यात को बढ़ाने पर कार्य योजना पर चर्चा करने के लिए 12 जनवरी 2022 को केरल के माननीय कृषि मंत्री के साथ बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था। एपीडा ने निर्यात के लिए कृषि उत्पादों के परीक्षण के लिए तिरुवनंतपुरम में प्रयोगशाला को मान्यता देकर, निपाह वायरस के प्रकोप को संबोधित करके और तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर संयंत्र संगरोध अधिकारियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्लांट संरक्षण, संगरोध और भंडारण निदेशालय के साथ उठाकर इन बैठकों में उठाए गए मुद्दों को संबोधित किया।

एपीडा ने राज्य से होने वाले विशिष्ट निर्यातों की पहचान की और उन्हें निर्यात किया :

- त्रिशूर जिले से खरीदे गए नेंद्रन केले की पहली वाणिज्यिक हवाई शिपमेंट 21 जून, 2021 को सिंगापुर को निर्यात की गई थी।
- कटहल, पैशन फ्रूट और जायफल के मूल्य वर्धित उत्पादों का शिपमेंट त्रिशूर, केरल से मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में 5 अक्टूबर 2021 को निर्यात किया गया था।
- कटहल के मूल्य वर्धित उत्पादों का शिपमेंट 12 अक्टूबर, 2021 को न्यूजीलैंड और यूएसए को निर्यात किया गया था।

जीआई उत्पादों का निर्यात

- केरल के एर्णाकूलम के वझाकुलम से प्राप्त जीआई टैग वाले वझाकुलम अनानास की पहली हवाई खेप 7 जनवरी 2022 को दुबई और शारजाह, संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात की गई।
- केरल के इडुक्की जिले के मरयूर से प्राप्त जीआई टैग वाले मरयूर गुड़ की पहली खेप 13 जनवरी 2022 को समुद्री मार्ग द्वारा दुबई, संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात की गई।

एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि द्वारा वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक (वीबीएसएम) आयोजित की गई

- एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय कोच्चि ने पहचान की कि जीसीसी देश राज्य से कृषि उत्पादों के प्रमुख निर्यात गंतव्य हैं। 16 मार्च

2022 को केरल राज्य से विशिष्ट उत्पादों के निर्यात संवर्धन के लिए ईओआई, यूएई के साथ एक राज्य विशिष्ठ वीबीएसएम का आयोजन किया गया था।

केरल में कृषि निर्यात नीति कार्यान्वयन और केला क्लस्टर: केरल के वायनाड, त्रिशूर और तिरुवनंतपुरम जिलों में पहचाने गए केले क्लस्टर से निर्यात बढ़ाने के लिए, एपीडा ने कृषि विकास और किसान कल्याण विभाग (केरल), केरल सरकार के साथ बैठक आयोजित की।

कृषि विश्वविद्यालय (केएयू) और वेजिटेबल एण्ड फ्रूट प्रमोशन कॉउंसिल केरलम (वीएफपीसीके), केरल और बाद में सब्जी और फल संवर्धन परिषद केरलम (वीएफपीसीके), केरल ने क्रमशः 16, 17, 18 और 23 मार्च 2022 को वायनाड, त्रिशूर और तिरुवनंतपुरम में एपीडा से वित्तीय सहायता के साथ केरल के केला समूहों में केले के किसानों/एफपीओ के लिए प्रशिक्षण का आयोजित किया।

एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि की अन्य संवर्धनात्मक गतिविधियां:

- **निर्यात संवर्धन कार्यक्रम:** 5 जनवरी 2022 को तिरुवनंतपुरम, केरल में शुरू किया गया।
- **माननीय प्रधानमंत्री जी का 400 बिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य पर संबोधन:** 6 अगस्त 2021 को तिरुवनंतपुरम में एपीडा द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें प्रमुख निर्यातकों, एफपीओ/एफपीसी और हितधारकों को आमंत्रित किया गया था।
- **जीआई किसान-वैज्ञानिक इंटरफ़ेस:** 12 अक्टूबर 2021 को केरल में जीआई-टैग की गई चावल की किस्मों के निर्यात-उन्मुख उत्पादन पर जोर देने के लिए जीआई-टैग की गई चावल की किस्मों पर एक किसान-वैज्ञानिक इंटरफ़ेस का आयोजन किया।
- **वाणिज्य उत्सव:** 26 सितंबर 2021 को केरल के एफपीओ/सहकारी समितियों/किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- **संवेदीकरण कार्यक्रम:** 20 मई 2021 और 12 अगस्त 2021 को केरल के नए पंजीकृत निर्यातकों के लिए वर्चुअल संवेदीकरण कार्यक्रम और 10 दिसंबर 2021 को एपीडा की सूचीबद्ध प्रयोगशालाओं के लिए वर्चुअल संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। 17 जून 2021 को केरल राज्य से जैविक और पारंपरिक कृषि निर्यात पर निर्यातकों के लिए और 26 जून 2021 को एससी/एसटी एफपीओ के लिए एक वर्चुअल संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2022 के अवसर पर महिला उद्यमियों/किसानों/एफपीओ के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।
- **केरल के सभी एफपीओ के साथ बैठक:** 13 अगस्त 2021 को संभावित उत्पादों के निर्यात में मुद्दों की पहचान करने के लिए केरल के एफपीओ के साथ बैठक आयोजित की गई।
- **चावल निर्यातकों और एफपीओ के साथ बैठक:** निर्यात में आने वाली समस्याओं की पहचान करने के लिए 8 सितंबर 2021 को केरल के चावल निर्यातकों और एफपीओ के साथ बैठक की गई।
- **एफएएस पर संवेदीकरण:** एपीडा के एफएएस 2021-22 से 2025-26 पर संवेदीकरण कार्यक्रम क्रमशः 17 और 19 नवंबर 2021 को एर्नाकुलम और तिरुवनंतपुरम में आयोजित किया गया था।
- **कृषि अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण:** एपीडा ने 3-5 फरवरी 2022 के दौरान फूलों, फलों और पत्तियों के निर्यात के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों पर केरल के राज्य कृषि अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि के क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

- एपीडा के 36वें स्थापना दिवस समारोह 13 फरवरी 2022 को त्रिशूर में एफपीओ, एफपीसी, किसानों और निर्यातकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- 15 फरवरी 2022 को केरल के आम निर्यातकों, किसानों और एफपीओ के लिए वर्चुअल क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 4 मार्च 2022 को कोट्टायम में ताजी सब्जियों के किसानों/एफपीओ के साथ और 5 मार्च 2022 को केरल के पलक्कड़ जिले के मुथालमाडा और कोझिंजमपारा में आम और ताजी सब्जियों के किसानों/एफपीओ के साथ बैठक आयोजित कर गई।
- 24 मार्च 2022 को कोझिकोड में आयोजित किसानों/एफपीओ के साथ सब्जियों में निर्यात की संभावनाओं पर बैठक आयोजित की गई।

  अत: मई 2021 में क्षेत्रीय कार्यालय कोच्चि खोलने के बाद डीजीसीआईएस पोर्ट/स्टेट रिपोर्ट 2021–22 के अनुसार केरल राज्य से डॉलर के अनुसार 2.66 प्रतिशत और रूपये के अनुसार 3.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

16.10 कोलकाता

उत्पाद श्रेणियों में प्रमुख विकास / उपलब्धियां

- पश्चिम बंगाल और बिहार से बहरीन के लिए आम की 16 पूवह्न किस्मों (3 जीआई टैग वाली किस्मों सहित) भेजी गई।
- एपीडा के एक सप्ताह के ''भारतीय आम संवर्धन कार्यक्रम'' अल जज़ीरा ग्रुप द्वारा सहयोग से बहरीन में आयोजित किया गया।
- आम की आठ किस्में (जीआई समेत) पश्चिम बंगाल से कतर भेजी गई।
- एपीडा के सहयोग से मैसर्स फैमिली फूड सेंटर, दोहा, कतर द्वारा दो दिवसीय आम निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- फाजली आम (जीआई टैग) की पहली व्यावसायिक खेप को कोलकाता से बहरीन भेजी गई।
- पश्चिम बंगाल से बहरीन के लिए ड्रैगन फ्रूट शिपमेंट भेजी गई।
- पश्चिम बंगाल से रियाद, सऊदी अरब में ड्रैगन फ्रूट भेजी गई।
- एपीडा ने एचपीएमसी के सहयोग से बहरीन राज्य को हिमाचल सेब की 5 अनूठी किस्मों की पहली खेप की 600 किलोग्राम पहली खेप का निर्यात किया गया।
- एपीडा ने एचपीएलसी के सहयोग से कतर को हिमाचल सेब की 6 अनूठी किस्मों की पहली खेप का 400 किलोग्राम निर्यात किया
- एपीडा ने अल-जज़ीरा समूह, बहरीन के सहयोग से बहरीन में अपने 13 स्टोरों में हिमाचल सेब की 5 किस्मों के इन-स्टोर प्रचार का आयोजन किया।
- कोलकाता, पश्चिम बंगाल से भेजी गई हिमाचल प्रदेश की निर्यात खेप मेसर्स फैमिली फूड सेंटर, कतर के स्टोर में इन-स्टोर प्रमोशन प्रोग्राम के लिए प्रदर्शित की गई।
- कोलोकेशिया (दो मीट्रिक टन) और लंबी फलियों (दो सौ किलोग्राम) की पहली व्यावसायिक खेप का निर्यात पाकुड़, झारखंड से दोहा, कतर में किया गया है।
- पहली बार चिडिवा (मुरमुरे) की वाणिज्यिक खेप को कटक, ओडिशा से मलेशिया के लिए भेजी गई।
- पहली बार, एपीडा की पहल के साथ, पश्चिम बंगाल पशुधन निगम (हरिघाटा) के पहले भेड़/बकरी मांस प्लांट को एपीडा से मान्यता मिली।

राष्ट्रीय कार्यक्रम

- एपीडा कोलकाता कार्यालय ने 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2021 तक साइंस सिटी ग्राउंड, कोलकाता में दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक ''75 वर्षों में एक शानदार भारत की ओर यात्रा'' विषय पर "24वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी" में भाग लिया।
- 24.02.2022 से 28.02.2022 तक बीएचआरडीएफ, कोलकाता द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव और भारत के सतत विकास के विषय पर ''8वें भारतीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह मेला 2022'' में भाग लिया।
- ''एग्री विजन 2022" में एपीडा की भागीदारी का आयोजन किया और 6 मार्च, 2022 को रेनशा विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा में आयोजित स्थायी भविष्य के लिए कृषि पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लिया।

एफपीओ/एफपीसी और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम समुदाय संगठित क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता

क्र.सं.	कार्यक्रम का विवरण/+	दिनांक	स्थान
1.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के एफपीओ और प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।	16.07.2021	बेरो ब्लाक, रांची, जिला. झारखंड।
2.	एससी/एसटी समुदाय के लिए निर्यात संवेदीकरण सह क्रेता-विक्रेता बैठक स्वाति (एनजीओ) के सहयोग से आयोजित की गई।	10.11.2021	जी. उदयगिरि, जिला. कंधमाल, उड़ीसा।
3.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यात उन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम	27.11.2021	जिला, मालदा, पश्चिम बंगाल।
4.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यात उन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम	27.11.2021	जिला जमशेदपुर, झारखंड।
5.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यात उन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम	20.12.2021	जिला झारग्राम, पश्चिम बंगाल।
6.	दुलाल एफपीओ के सहयोग से एफपीओ/एफपीसी/एससी/एसटी समुदाय के प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यातोन्मुखी क्षमता विकास कार्यक्रम	16.04.2022	जिला मयूरभंज, उड़ीसा
7.	नाबार्ड के सहयोग से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यातोन्मुखी क्षमता विकास कार्यक्रम	30.04.2022	जिला रामगढ़, झारखंड

एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सभी) संगठित क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता

क्र. सं.	कार्यक्रम का विवरण	दिनांक	स्थान
1.	एफपीओ और प्रगतिशील किसानों के लिए बाजरा के लिए निर्यात संवेदीकरण सह क्रेता विक्रेता बैठक।	27.07.2021	बल्लीगुडा ब्लाक, कंधमाल जिला. ओडिशा।
2.	बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय (बीसीकेवी) के सहयोग से फसल कटा उपरांत प्रौद्योगिकी और कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए राज्य विशिष्ट आवश्यकता पर वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया गया।	06.09.2021	कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3.	एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम केवीके और सीआ एसएच, मालदा, पश्चिम बंगाल के सहयोग से आयोजित किया गया था।	26.09.2021	जिला मालदा, पश्चिम बंगाल।
4.	भांगर सब्जी उत्पादक कंपनी लिमिटेड के सहयोग से एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।	26.09.2021	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल।
5.	बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के सहयोग से एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	26.09.2021	रांची, झारखण्ड।
6.	नाबार्ड के सहयोग से एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	26.09.2021	मयूरभंज, उड़ीसा।
7.	केवीके, कंधमाल (वर्चुअल मोड) के सहयोग से एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	26.09.2021	कंधमाल, उड़ीसा।
8.	केवीके, निम्पीथ (वर्चुअल मोड) के सहयोग से एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	26.09.2021	निम्पीथ, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल।
9.	एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (हाइब्रिड मोड) के सहयोग से किया गया।	26.09.2021	हजारीबाग, झारखण्ड।
10.	प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।	16.10.2021	महेशपुर, जिला. पाकुड़, झारखंड।
11.	प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।	26.10.2021	पाकुड़, झारखंड।
12.	उत्तर बंगा कृषि विश्वविद्यालय और कूच बिहार कृषि विज्ञान केंद्र (वर्चुअल मोड) के सहयोग से कृषि उत्पादों के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए फसल कटा से पहले और बाद की तकनीक पर प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।	28.12.2021	कूचबिहार, पश्चिम बंगाल।
13.	ग्रांट थार्नटन के सहयोग से एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।	30.12.2021	रांची, झारखंड।
14.	एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यातोन्मुखी क्षमता विकास कार्यक्रम	23.04.2022	मोयना, पुरबा मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल।
15.	एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यातोन्मुखी क्षमता विकास कार्यक्रम	20.05.2022	बोंगांव, उत्तर 24 परगना

16.11 मुंबई

नए उत्पाद/जीआई उत्पाद का प्रचार:-

क 19 मई, 2021 को महाराष्ट्र के पालघर जिलों के दहानू-घोलवाड़ तालुका में जीआई पंजीकृत किसानों से प्राप्त 200 किलोग्राम भौगोलिक संकेत (जीआई) प्रमाणित दहानु घोलवड़ चीकू के निर्यात का फ्लैग ऑफ समारोह आयोजित किया गया। इसे यूके को निर्यात किया गया था।

ख 10 जून, 2021 को मराठवाड़ा क्षेत्र के जिलों औरंगाबाद महाराष्ट्र में जीआई पंजीकृत किसानों से प्राप्त 200 किलोग्राम भौगोलिक संकेत (जीआई) प्रमाणित मराठवाड़ा केसर आम के निर्यात का फ्लैग-ऑफ समारोह आयोजित किया गया। इसे यूके को निर्यात किया गया था।

ग 14 जून, 2021 को महाराष्ट्र के जलगांव जिलों में जीआई पंजीकृत किसानों से प्राप्त 22 मीट्रिक टन भौगोलिक संकेत (जीआई) प्रमाणित जलगांव केले के निर्यात का फ्लैग-ऑफ समारोह आयोजित किया गया। उत्पाद दुबई को निर्यात किया गया था।

घ 25 जून 2021 को सांगली जिले से दुबई को 200 किलोग्राम ड्रैगन (कमलम) फल के निर्यात का फ्लैग-ऑफ समारोह आयोजित किया गया। इसे एपीडा द्वारा मान्यता प्राप्त पैकहाउस में संसाधित और पैक किया गया था।

ड़ एपीडा ने 26 मार्च, 2022 को मुंबई से जापान के लिए ताजा आम निर्यात की सीजन की पहली खेप की सुविधा प्रदान की। अल्फांसो और केसर किस्मों के आमों को एपीडा के एक पंजीकृत निर्यातक द्वारा एक खुदरा श्रृंखला, जापान को निर्यात किया गया था।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए:

09 अक्टूबर 2021 को (एपीडा) और आईसीएआर -सेंट्रल साइट्रस रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईसीएआर - सीसीआरआई), नागपुर द्वारा नागपुर, महाराष्ट्र में श्री नितिन गडकरी, माननीय सड़क परिवहन और भारत के राजमार्ग मंत्री की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई द्वारा आयोजित बीएसएम:

क 22 अप्रैल, 2021 को एमएसएएमबी के सहयोग से महाराष्ट्र राज्य के आम के निर्यातकों, एफपीओ और प्रमुख किसानों के साथ वर्चुअल क्रेता-विक्रेता मीट (बीएसएम) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 115 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

ख 16 जून 2021 को उत्तर प्रदेश राज्य बागवानी सहकारी विपणन संघ (एचओएफईडी) के सहयोग से क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया।

ग 4 फरवरी, 2022 को एपीडा पंजाब ने एपीडा मुंबई के सहयोग से पंजाब एग्री एक्सपोर्ट कार्पोरेशन लिमिटेड (पीएजीआरई एक्ससीओ) और पश्चिमी क्षेत्र के निर्यातकों के साथ किन्नू (पंजाब से मैंडरिन संतरे की एक उच्च उपज संकर किस्म) की आपूर्ति के लिए एक वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया।

क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई द्वारा आयोजित अन्य प्रचार गतिविधियाँ:

क बौद्ध उद्यमी एसोसिएशन ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीईएसीआई) और आईटीसीएफएसएएन के सहयोग से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा और गुजरात के प्रसंस्कृत खाद्य निर्यातकों / उद्यमियों के लिए एचएसीसीपी पर संवेदीकरण कार्यक्रम 28 जुलाई 2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था।

ख वाणिज्य उत्सव के अवसर पर 22 सितंबर, 2021को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई में ''खाद्य और निर्यात के अवसर'' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

ग 21 से 22 सितंबर, 2021 तक टेक्सप्रोसिल की साझेदारी में गोवा सरकार के उद्योग, व्यापार और वाणिज्य निदेशालय द्वारा आयोजित ''वाणिज्य उत्सव' सह प्रदर्शनी'' गोवा में भाग लिया।

घ महाराष्ट्र के एपीओ के लिए वाणिज्य उत्सव के दौरान जो 26 सितंबर 2021 को नासिक एपीडा मुंबई में आयोजित किया गया था, एपीडा यूटयूब चैनल पर लाइव सत्र का प्रसारण किया, जिसमें बड़ी संख्या में एपीओ किसानों ने भाग लिया।

ङ एफपीओ/प्रगतिशील किसानों के लिए सह्याद्री किसान उत्पादक कंपनी, नासिक में 13 फरवरी, 2022 को मनाए गए ''एपीडा 36वें स्थापना दिवस'' में भाग लिया। कार्यक्रम में एफपीओ, किसानों सहित 90 प्रतिभागियों ने शारीरिक रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के बाद प्रतिभागियों को एपीडा योजनाओं की जानकारी दी गई।

च 6 से 9 दिसम्बर 2021 तक त्रिपुरा प्रतिनिधिमंडल के राज्य सरकार के अधिकारियों और निर्यातकों के 10 सदस्यों के लिए महाराष्ट्र दौरे का प्रबंध एपीडा मुंबई कार्यालय द्वारा किया गया।

छ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई ने "महिला उद्यमियों / एफपीओ के लिए कृषि निर्यात अवसर" पर 08 मार्च 2022 को वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई द्वारा आयोजित आउटरीच कार्यक्रमः

क 16 अप्रैल, 2021 को एससी/एसटी उद्यमियों के लिए बौद्ध उद्यमी एसोसिएशन आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीईएसीआई) के सहयोग से "कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में एपीडा की भूमिका" पर वेबिनार का आयोजन किया। कुल 145 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ख प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र के लिए 28 अप्रैल, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र खाद्य सुरक्षा और संबद्ध पोषण (आईटीसीएफएसएएन) के सहयोग से "एचएसीसीपी और आईएसओ 22000 की आवश्यकता" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में कुल 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ग ''उत्पादन समूहों में वैश्विक जीएपी के कार्यान्वयन के लिए ब्रेन स्टॉर्मिंग'' के लिए कार्य समूह के साथ 30 अप्रैल, 2021 को पहली वर्चुअल बैठक का आयोजन किया।

घ नागपुर, अमरावती और वर्धा-एईपी के तहत पहचाने गए महाराष्ट्र के संतरा क्लस्टर के लिए वनमती के सहयोग से 7 मई, 2021 को वर्चुअल संवेदीकरण / हितधारक बैठक का आयोजन किया।

ङ 17 जून, 2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से निर्यातकों के साथ "भारत से ताजे फल और सब्जियों के निर्यात के लिए एसएफडीए नियामक आवश्यकताएं" पर एक हितधारक चर्चा का आयोजन किया।

च एपीडा मुंबई ने बौद्ध उद्यमी एसोसिएशन आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीईएसीआई) के सहयोग से 24 जून, 2021 को "कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में एपीडा की भूमिका" पर विशेष रूप से एससी / एसटी उद्यमियों के लिए दूसरा वेबिनार आयोजित किया।

छ वर्चुअल मोड के माध्यम से एमएसएएमबी, कृषि विभाग-महाराष्ट्र, अखिल भारतीय भारत किसान संघ, वीएएफए के सहयोग से औरंगाबाद जिला महाराष्ट्र के मिर्च किसानों के लिए 14 जुलाई, 2021 को निर्यात संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

ज एमएसएएमबी, डीआईसी- सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी के सहयोग से काजू और उसके उत्पादों के निर्यातकों और हितधारकों के साथ 02 जुलाई, 2021 को वर्चुअल ब्रेन स्टॉर्मिंग सत्र का आयोजन किया।

झ 13 अगस्त 2021 को वर्चुअल माध्यम से महाराष्ट्र राज्य में 2021 ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के अन्तर्गत ''एनपीओपी जैविक प्रमाणन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि/बागवानी विभाग महाराष्ट्र राज्य एमएसएएमबी राज्य कृषि विश्वविद्यालय जैविक उत्पादक एफपीओ स्थानीय जैविक महासंघ के राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ञ कृषि निर्यात के हितधारकों के लिए माननीय प्रधान मंत्री के संबोधन पर 6 अगस्त, 2021 को एमएसएएमबी, सम्मेलन कक्ष वाशी में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- 2 सितंबर, 2021 को अंगूर पर अवशेष निगरानी कार्यक्रम पर "हितधारकों की बैठक" का आयोजन किया।
- वर्चुअल मोड के माध्यम से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 3 सितंबर, 2021 को नाबार्ड-पुणे के सहयोग से नाबार्ड पंजीकृत एफपीओ के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- मेसर्स सह्याद्री फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी-नासिक के परिसर में एफपीओ के किसानों के लाभ के लिए राज्य कृषि विभाग महाराष्ट्र के सहयोग से एफपीओ और निर्यात के लिए किसानों के लिए 26 सितंबर, 2021 को "क्षमता निर्माण कार्यक्रम" पर एक वाणिज्य उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया।
- एपीडा और एग्रोविजन फाउंडेशन, नागपुर ने संयुक्त रूप से विदर्भ में 9 अक्टूबर 2021 को होटल सेंटर पाइंट, नागपुर में कृषि फसलों / फलों और सब्जियों के लिए निर्यात क्षमता पर आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया है।
- एपीडा मुंबई ने 23 दिसंबर 2022 को नवी मुंबई में "भारत का अमृत महोत्सव" के तहत "एक्सपोर्टर संगोष्ठी " का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई द्वारा आयोजित हॉर्टिनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम:

- 31 अगस्त, 2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से "महाराष्ट्र के रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग क्षेत्र के एफपीओ / आम उत्पादकों के लिए एमएसएएमबी के सहयोग से क्षमता निर्माण कार्यक्रम" का आयोजन किया।
- एमएसएएमबी हर महीने उद्यमियों के लिए बागवानी निर्यात प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है और प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में, प्रशिक्षुओं ने एपीडा मुंबई का दौरा किया और कृषि निर्यात में एपीडा की भूमिका और कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एपीडा की योजनाओं की व्याख्या की।
- अवधि के दौरान निर्यात प्रशिक्षण कार्यक्रम में नियमित रूप से भाग लिया / और तदनुसार उन्हें कृषि निर्यात में एपीडा की भूमिका और कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एपीडा की योजनाओं का मार्गदर्शन किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई ने प्रदर्शनी में भाग लिया:

25-27 मार्च, 2022 तक क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई ने सांसा फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा आयोजित "शाइनिंग महाराष्ट्र" - फल्टन (सतारा) प्रदर्शनी में भाग लिया। एपीडा को 9 वर्ग मीटर का स्थान आवंटित किया गया था। स्टॉल को एपीडा उत्पाद पोस्टर और ताजे फल और सब्जियां, अंगूर, अनार, किशमिश, प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद और बाजरा और बाजरा उत्पादों के नमूने आदि प्रदर्शित उत्पादों के साथ अच्छी तरह से सजाया गया था।

16.12 वाराणसी

निर्यातक के रूप में एफपीओ – निर्यात की दिशा में सकारात्मक पहल के रूप में एपीडा के साथ 10 एसपीओ के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की गई।

एलबीएसआई हवाई अड्डे पर एडी कोड पंजीकरण – 9 निर्यातकों को शिपमेंट भेजने के अनुपालन को पूरा करने के लिए एडी कोड प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की गई।

वर्चुअल/प्रत्यक्ष क्रेता विक्रेता बैठक – क्रेता और विक्रेताओं को एक मंच पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, एपीडा वाराणसी ने 5 अंतर्राष्ट्रीय क्रेता–विक्रेता बैठक का आयोजन किया है। साथ ही एफपीओ और प्रगतिशील किसानों को कृषि निर्यात से परिचित कराया गया। अंतरराष्ट्रीय बीएसएम के अलावा, राष्ट्रीय क्रेता–विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया जिसमें एफपीओ/किसानों निर्यातकों और व्यापारियों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया।

महिला केंद्रित एफपीओ का निर्माण – मैसर्स प्रभूति महिला किसान उत्पादक संगठन वाराणसी नामित महिला केन्द्रित एफपीओ बनाने के लिए सभी सहायता प्रदान की गई।

एफपीओ/किसानों को निर्यात की आवश्यकता के बारे में जानकारी देने के लिए वाराणसी क्षेत्र में बीस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

एपीडा वित्तीय सहायता योजना के अन्तर्गत सहजनगा गोरखपुर में पैकहाउस स्वीकृत किया गया परियोजना की लागत 6 करोड़ रूपये है।

- **जीआई टैग शाही लीची का फ्लैग–ऑफ** – भौगोलिक संकेत (जीआई) प्रमाणित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से 24 मई 2021 को 524 किलोग्राम जीआई टैग शाही लीची की पहली खेप को लंदन, यूनाइटेड किंगडम निर्यात किया गया।

- **05.06.21 को उत्तर प्रदेश से यूके के लिए जावा प्लम (जामुन) का फ्लैग–ऑफ** – स्वस्थ उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 5 जून 2021 को बिठूर, कानपुर, उत्तर प्रदेश से यूनाइटेड किंगडम में निर्यात किए गए 500 किलो ग्राम जावा प्लम (जामुन) का निर्यात किया गया।

- **हाथरस यूपी से पास्चुरीकृत भैंस के मक्खन का निर्यात** – 03 जून 2021 को हाथरस उत्तर प्रदेश से 25 मीट्रिक टन पाश्चुरीकृत भैंस मक्खन न्यूजीलैंड को निर्यात किया गया।

- **बिहार से जीआई टैग जर्दालु आम का यूनाइटेड किंगडम निर्यात** – 14 जून 2021 को भागलपुर बिहार से जीआई टैग जर्दालु आम की पहली खेप यूनाइटेड किंगडम निर्यात की गई।

- **हरिद्वार, उत्तराखंड से दुबई को निर्यात मिश्रित सब्जियों की पहली खेप** – उत्तराखंड से कृषि उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 24 जुलाई 2021 को हरिद्वार, उत्तराखंड से दुबई के लिए मिश्रित सब्जियों की व्यावसायिक खेप निर्यात की गई।

- **लखनऊ से इरान के लिए केले का पहला शिपमेंट** – उत्तर प्रदेश से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, एपीडा के समन्वय से 14 अक्टूबर 2021 को मैंगो पैकहाउस मलिहापुर, लखनऊ एपीडा पंजीकृत निर्यातक द्वारा जेएनपीटी के माध्यम से समुद्री मार्ग द्वारा लखनऊ से ईरान को केले की पहली शिपमेंट निर्यात की गई। पहली बार उत्तर प्रदेश के केलों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में लाया गया है। यह सीधे पलिया कलां (लखीमपुर) के किसानों से सीधे खरीदा गया और लखनऊ स्थित पैकहाउस में पैक किया गया।

- **मिर्जापुर से क्षेत्रीय चावल और हरी मिर्च का निर्यात** – दिसंबर 2021 में मिर्जापुर से चावल और हरी मिर्च की एक खेप को निर्यात किया गया।

- **मिर्जापुर (यूपी) से सेनेगल अफ्रीका के लिए गैर-बासमती का पूर्ण कार्गो रेल निर्यात किया गया** – 21 जनवरी 2022 को गैर-बासमती चावल से भरा कार्गो रेल रैक (42 वैगन) मिर्जापुर (यूपी) से सेनेगल अफ्रीका के लिए भेजा गया। कुल 2650 मैट्रिक टन (52000 बैग) शिपमेंट की मात्रा थी।

गुणवत्ता विकास – कृषि उत्पादों के निर्यात की संभावना में, निर्यात गुणवत्ता वाले चावल के विकास के लिए आईआरआरआई को 3 परियोजनाएं दी गई हैं। बनारस हिन्दु विश्व विद्यालय और भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के साथ दो परियोजनाएं प्रक्रिया में हैं

क्लस्टर सुविधा प्रकोष्ठ (समिति) का गठन – वाराणसी क्लस्टर में मंडल आयुक्त वाराणसी की अध्यक्षता में मंडल क्लस्टर स्तरीय प्रकोष्ठ (समिति) और आस-पास के सभी जिलों में जिला प्रशासन की अध्यक्षता में का गठन किया गया समीक्षा बैठक तिमाही आधार पर आयोजित की जाती है। इन कलस्टर की बैठकों में एपीडा द्वारा नियमित रूप भाग लिया जाता है।

पूर्णिया-बिहार से "कृषि निर्यात संवर्धन (मखाना, मक्का आदि)" पर हितधारकों के साथ बातचीत – 03 अप्रैल 2021 को कृषि निर्यात (मखाना, मक्का आदि) को बढ़ावा देने के लिए एपीडा द्वारा बीपीएस कृषि महाविद्यालय, पूर्णिया, बिहार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

400 से अधिक बिलियन यूएस डॉलर के निर्यात लक्ष्य पर कार्यक्रम – एपीडा ने 06 अगस्त 2021 को आयुक्त हॉल कुचाहारी-वाराणसी में ''कृषि निर्यात में गुणवत्तापूर्ण उपज की भूमिका" पर प्रशिक्षण और संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

वाराणसी में वाणिज्य उत्सव का आयोजन – वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा आयोजित 21 से 26 सितंबर 2021 तक ''वाणिज्य सप्ताह" के अन्तर्गत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, वाराणसी (एपीडा) ने रविवार 26 सितंबर 202 को ''वाणिज्य उत्सव" का आयोजन किया।

29 अक्टूबर, 2021 को आगरा ट्रेड सेंटर, आगरा में "एक्सपोर्टर्स कान्क्लेव" का आयोजन – निर्यातक सम्मेलन 29 अक्टूबर 2021 को आगरा ट्रेड सेंटर, आगरा में आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य से निर्यात को बढ़ाना था।

मिर्जापुर में कृषि निर्यात सम्मेलन एवं क्रेता-विक्रेता बैठक – एपीडा ने 04 दिसंबर 2021 उत्तर प्रदेश में कृषि निर्यात सम्मेलन और क्रेता विक्रेता बैठक आयोजित की।

आईआईवीआर-वाराणसी में आयोजित पोषण, उद्यमिता और पर्यावरण के लिए सब्जी अनुसंधान और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – 14.12.2021 को आईआईवीआर-वाराणसी में पोषण, उद्यमिता और पर्यावरण के लिए सब्जी अनुसंधान और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें एपीडा वाराणसी ने भाग लिया।

एपीडा ने लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित ''एग्री विजन - 2021'' प्रदर्शनी में भाग लिया – 16-18 दिसंबर 2021 तक लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित '' एग्री विजन – 2021'' प्रदर्शनी में एपीडा ने भाग लिया।

गोरखपुर में क्षमता निर्माण कार्यक्रम – एपीडा ने गोरखपुर में आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया और 24-26 दिसंबर 2021 को उज्जवल उत्तर प्रदेश में भाग लिया।

''कृषि निर्यात संगोष्ठी'' पटना-बिहार में आयोजित – 23.02.2022 को पटना बिहार में कृषि निर्यात संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एपीडा, नाबार्ड और जागरण समूह के सहयोग से आयोजित किया गया था।

अलीगढ़ में मंडल प्रशासन और एफपीओ के साथ बातचीत – एपीडा ने मंडल आयुक्त अलीगढ़ की अध्यक्षता में अलीगढ़ क्षेत्र के एफपीओ एवं व्यापारियों के साथ बैठक की।

17. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयन

वर्ष 2021–22 के दौरान, प्राधिकरण ने तालिका (1.1) में दर्शाए गए अधिकारियों को अपीलीय प्राधिकारी के रूप में और तालिका (1.1.1) में दर्शाए गए अधिकारियों को जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) के रूप में नामित किया। श्रीमती रेखा मेहता, सहायक महाप्रबंधक इस अवधि के दौरान नोडल सीपीआईओ हैं।

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए) तालिका का विवरण (1.1)

क्र.सं.	प्रथम अपीलीय प्राधिकारी का नाम	विभाग
1.	डॉ. तरुण बजाज	अनाज और अनाज, तैयार उत्पाद, बीईडीएफ, डब्ल्यूटीओ , मार्केट एक्सेस, वीआईपी संदर्भ, सीवीओ
2.	श्री एस. एस. नैय्यर	बजट और वित्त, व्यापार मेले और पीआर, पी एंड ए, सी एंड आई, सांविधिक, पंजीकरण
3.	श्री वी. के. विद्यार्थी	हिंदी, सामान्य अवसंरचना, निर्यात विश्लेषण, जीआई उत्पादों सांविधिक, जैविक उत्पाद और प्राकृतिक उत्पाद का प्रचार
4.	श्री यू.के. वत्स	जैविक, एफएफवी, पुष्पकृषि, एफएफवी, इडीएफ और एनइआर की मार्केट एक्सेस
5.	डॉ. सुधांशु	एईपी, पशु उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य, गुणवत्ता, रसद, संसद प्रश्न, पुस्तकालय, एसएयू और हितधारक संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों का कार्यान्वयन

जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) तालिका का विवरण (1.1.1)

क्र.सं.	जन सचूना अधिकारी का नाम	विभाग
1.	डॉ. शाश्वती बोस, उप महाप्रबंधक	विश्व व्यापार संगठन, जैविक उत्पाद और जीआई उत्पाद का प्रचार
2.	श्री देवेंद्र प्रसाद, उप महाप्रबंधक	गुणवत्ता, सामान्य अवसंरचना
3.	श्रीमती विनीता सुधांशु, उप महाप्रबंधक	अनाज, बीईडीएफ
4.	श्रीमती समिधा गुप्ता, उप महाप्रबंधक	बजट और वित्त
5.	श्री मान प्रकाश विजय, सहायक महाप्रबंधक	प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद
6.	श्री उमेश कुमार, सहायक महाप्रबंधक	पशु उत्पाद
7.	श्री विद्युत बरुआ, सहायक महाप्रबंधक	एनईआर और ताजे फल और सब्जियां
8.	श्रीमती रीबा अब्राहम, सहायक महाप्रबंधक	जैविक उत्पाद
9.	डॉ. सी बी सिंह, सहायक महाप्रबंधक	क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी, रसद
10.	श्रीमती रजनी अरोड़ा, सहायक महाप्रबंधक	कर्मिक और प्रशासन, सतर्कता, विधि और सांविधिक प्रभाग, व्यापार मेला और पीआर प्रभाग
11.	श्रीमती सिमी उन्नीकृष्णन, सहायक महाप्रबंधक	हिंदी राजभाषा, विश्व व्यापार संगठन, एसपीएस, टीबीटी, एफटीए और संसद प्रश्न
12.	श्री हरप्रीत सिंह, कार्यकारी अधिकरी	कंप्यूटर और सूचना
13.	श्री शिशुपाल रावत	पुस्तकालय
14.	श्रीमती रोज़लीन फील्ड अधिकारी	पंजीकरण प्रभाग
15.	श्री विष्णु सारस्वत फील्ड अधिकारी	कृषि निर्यात नीति

18. कृषि निर्यात नीति का कार्यान्वयन

- गोवा राज्य में कृषि निर्यात नीति (एईपी) के कार्यान्वयन के लिए 9 अप्रैल, 2021 को समीक्षा बैठक का आयोजन किया।
- क्लस्टर विकास और आगे की कार्य योजना पर प्रगति की समीक्षा के लिए 12 अप्रैल, 2021 को वर्चुअल बैठक का आयोजन किया।
- 4 मई, 2021 को कोल्हापुर में केले के क्लस्टर के विकास के लिए हितधारकों के साथ एक वर्चुअल बैठक का आयोजन किया।
- 11 मई, 2021 को सोलापुर में अनार क्लस्टर पर हितधारकों के साथ वर्चुअल बैठक में भाग लिया।
- सांगली जिले से किशमिश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 20 मई 2021 को हितधारकों के साथ वर्चुअल बैठक में भाग लिया।
- एईपी के अन्तर्गत महाराष्ट्र के जलगांव में केले क्लस्टर के लिए महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एमएसएएमबी) और महाराष्ट्र सरकार के कृषि विभाग के सहयोग से 21 मई, 2021 को हितधारकों के साथ वर्चुअल बैठक का आयोजन किया।
- सोलापुर केले क्लस्टर के लिए महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एमएसएएमबी) और महाराष्ट्र सरकार के कृषि विभाग के सहयोग से 27 मई, 2021 को हितधारकों के साथ वर्चुअल बैठक का आयोजन किया।
- 27 मई, 2021 को संबंधित क्लस्टर अधिकारियों के साथ क्लस्टर विकास पर पाक्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया।
- महाराष्ट्र सरकार के कृषि विभाग के सहयोग से, राज्य कृषि विभाग-महाराष्ट्र के अधिकारियों के लिए बनाना.नेट के कार्यान्वयन पर एक हितधारक प्रशिक्षण कार्यक्रम 04 जून, 2021 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया था।
- 01 जुलाई 2021 को केले के प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर आईआईएफपीटी (एमओएफपीआई), एनआरसी-बी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में एपीडा नोडल अधिकारी के साथ एफपीओ और केले क्लस्टर के किसानों ने भाग लिया।
- छह (6) चिन्हित समूहों में एईपी समूहों के विकास के लिए नाबार्ड और एपीडा की भूमिका को स्पष्ट करने के लिए 16 जुलाई, 2021 को नाबार्ड-पुणे मंडल के साथ वर्चुअल बैठक का आयोजन किया।
- डी एन कालेज फैजपुर-ताल-यावल जलगांव के सभागार में 13 सितंबर, 2021 को भारत का अमृत महोत्सव के रूप में केवीके-जलगांव के सहयोग से एपीडा द्वारा "जलगांव केला एईपी क्लस्टर के एफपीओ/किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया था।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा)

(वाणिज्य एवं उद्योग विभाग मंत्रालय, भारत सरकार)

पता : तीसरी मन्जिल, एनसीयूआई बिल्डिंग, 3, सीरो सांस्थानिक क्षेत्र
अगस्त क्रान्ति मार्ग, (खेल गांव के सामने) नई दिल्ली–110016
दूरभाष : 91–11–26513204, 26513219, 26514572, 26526196 • फैक्स : 91–11–26526187
ई–मेल : headq@apeda.gov.in • वेबसाइट : www.apeda.gov.in